सान्ध्य हिन्दी दैनिक | जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 154 | जौनपुर, बुधवार, 22 जनवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

## जनता की समस्याओं पर तत्काल लें एक्शन : मुख्यमंती योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर, (एजेंसी)। कड़ाके की ठंड के बावजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को जनता दर्शन में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान का भरोसा दिया। आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं दिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल एक्शन लें। इसमें हीलाहवाली अक्षम्य होगी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में करीब 100 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। प्रतिकूल मौसम को देखते हुए जनता दर्शन का आयोजन मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में किया गया। यहां कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक फरियादी से मिले। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। एक महिला के इलाज संबंधी फरियाद पर उन्होंने अफसरों से कहा कि मेडिकल कॉलेज या किसी अन्य उच्च स्तरीय अस्पताल में इलाज कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। यदि कोई किसी की भूमि पर जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसे कानून सम्मत सबक सिखाया जाए। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। मंगलवार प्रातःकाल गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने, अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर शीश नवाने के बाद वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे। यहां उन्होंने कुछ समय बिताया और गोसेवा की। मुख्यमंत्री ने गोवंश को खूब दुलारने के बाद उन्हें गुड़ खिलाया और गोशाला के भी कार्यकर्ताओं को देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

## मल्लिकार्जुन खड़गे ने बेलगावी में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया

बेलगावी, (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को कर्नाटक के बेलगावी में सुवर्ण विधान सौध के परिसर में महात्मा गांधी की 25 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सिद्दारमैया, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर, विधान परिषद के सभापति बसवराज होरट्टी, राष्ट्रीय संगठन सचिव केसी वेणुगोपाल, कर्नाटक कांग्रेस प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला और अन्य नेता मौजूद रहे। यह कार्यक्रम उस ऐतिहासिक अवसर की शताब्दी का प्रतीक है, जब महात्मा गांधी ने कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष का पद संभाला था ।

## संक्षिप्त समाचार

### आप केवल मुसलमानों की शादियां और तलाक रोक रहे – असदुद्दीन ओवैसी

उत्तराखंड, (एजेंसी)। उत्तराखंड सरकार राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने की तैयारी में है। इसकी को लेकर एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी का बड़ा बयान सामने आया है। ओवैसी ने कहा कि जब आप हिंदू विवाह अधिनियम, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम को अपवाद दे रहे हैं तो इसे यूसीसी नहीं कहा जा सकता है और यह आदिवासियों पर भी लागू नहीं होगा। ये कैसा यूनिफ्रॉम सिविल कोड? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आप केवल मुसलमानों की शादियाँ और तलाक रोक रहे हैं। ओवैसी ने आगे कहा कि आप यूनिफ्रॉम सिविल कोड की बात करते हैं, लेकिन अगर कोई हिंदू धर्म से किसी अन्य धर्म में परिवर्तन करना चाहता है, तो उसे अनुमति लेनी होगी। उन्होंने कहा कि वे वक्फ को बर्बाद करने और उसकी संपत्तियों को लूटने के लिए यह बिल ला रहे हैं।श जैसे आप पर विरोध हुआ था, वैसे ही अगर वक्फ संशोधन बिल पास हुआ तो भी विरोध होगा। इससे पहले उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने सोमवार को राज्य सचिवालय में आयोजित एक बैठक के दौरान समान नागरिक संहिता (यूसीसी) नियमावली को मंजूरी दे दी। अधिकारियों के अनुसार, यह विकास विधायी विभाग द्वारा मैनुअल की सावधानीपूर्वक समीक्षा के बाद हुआ। मंजूरी के बारे में बोलते हुए, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 2022 के चुनावों से पहले किए गए अपने वादों को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। धामी ने कहा कि हमने 2022 में उत्तराखंड की जनता से वादा किया था ।

### अवैध भूमि कब्जे को लेकर भड़क गए बीजेपी सांसद, रियल एस्टेट ब्रोकर को जड़ दिया थप्पड़

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा सांसद (सांसद) ईटेला राजेंदर का तेलंगाना के मेडचल जिले में एक रियल एस्टेट ब्रोकर से सामना हुआ। यह आरोप सामने आने के बाद कि दलाल ने पोचारम क्षेत्र में गरीब स्थानीय लोगों की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है, राजेंद्र ने रियल एस्टेट एजेंट से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, यह विवाद 1985 से शुरू हुआ, जब गरीब निवासियों ने भूमि के भूखंडों का अधिग्रहण किया, जिनमें से कुछ ने मकान बना लिए, जबकि अन्य बिना विकास के रह गए। हालांकि, राजेंद्र ने कहा कि दलाल ने दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ की, कथित तौर पर स्थानीय लोगों को डराने के लिए बाहुबलियों को लाया। कथित तौर पर पिछले कुछ वर्षों में पुलिस के पास कई शिकायतें दर्ज की गईं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। राजेंद्र, जिनसे निवासियों ने संपर्क किया था। उसने इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक सार्वजनिक बैठक आयोजित की और स्थानीय अधिकारियों के साथ भाग लेने का वादा किया। वहां पहुंचने पर उन्होंने दलाल और उसके कथित साथियों को इलाके में जश्न मनाते पाया। स्थिति तब बिगड़ गई जब स्थानीय लोगों को ब्रोकर की धमकियों से नाराज होकर राजेंद्र की उससे तीखी बहस हो गई। हताशा के एक क्षण में, राजेंद्र ने कथित तौर पर दलाल को थप्पड़ मार दिया, और घोषणा की। कि जब भी कानून विफल हो तो हस्तक्षेप करना उसका कर्तव्य था। थाने में सैकड़ों शिकायतें दर्ज हुईं.

## गणतंत्र दिवस बाद दिल्ली में रफ्तार पकड़ेगी प्रचार - पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम मोदी गणतंत्र दिवस के बाद दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए रैलियों की एक श्रृंखला को संबोधित करेंगे।

प्रधानमंत्री के अलावा, अन्य भाजपा स्टार प्रचारक – केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी राष्ट्रीय राजधानी में रैलियों को संबोधित करेंगे। सूत्रों ने कहा कि पीएम मोदी के लगभग तीन रैलियों को संबोधित करने की संभावना है, जबकि शहर के विभिन्न हिस्सों में आदित्यनाथ की लगभग 15 सार्वजनिक बैठकें करने की योजना है। सूत्रों ने बताया कि पीएम मोदी 29, 31 जनवरी और 2 फरवरी को बीजेपी की रैलियों में

शामिल होंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में कई सार्वजनिक बैठकों को संबोधित करेंगे। चुनाव अभियान से जुड़े दिल्ली भाजपा के एक नेता ने कहा, ष्शाह चार रैलियों को संबोधित करेंगे और चार रोड शो करेंगे। नड्डा के भी 10–12 रैलियों को संबोधित करने की संभावना है।ष 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा के लिए चुनाव 5 फरवरी को होंगे और नतीजे 8 फरवरी को घोषित होंगे। दिल्ली भाजपा के एक नेता ने कहा कि पार्टी ने प्रधानमंत्री की तीन रैलियों का अनुरोध किया है, एक पूर्वोत्तर दिल्ली के यमुना खादर में, दूसरी पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा में और तीसरी पश्चिमी दिल्ली के द्वारका के पास। इनमें से कम से कम दो रैलियों को पार्टी नेतृत्व से मंजूरी मिलनी तय है। भाजपा पहले ही अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची घोषित कर चुकी है, जिनमें केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, हरदीप पुरी और धर्मेंद्र प्रधान शामिल हैं। आदित्यनाथ के अलावा, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी और महाराष्ट्र के देवेंद्र फड़नवीस भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों में शामिल होंगे, जो राष्ट्रीय राजधानी में रैलियां करेंगे।

## मोदी जी के विकसित भारत की सच्चाई मेहनत आपकी, मुनाफा किसका ?– राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने महंगाई के कारण लोन लेने को मजबूर गरीबों के लिए आवाज उठाई है। राहुल ने बीजेपी पर सवाल उठाते हुए कहा कि आसमान छूती महंगाई के कारण अब न सिर्फ गरीब, बल्कि सैलरीड क्लास भी अपनी जरूरतों के लिए लोन लेने को मजबूर है। उन्होंने मोदी के विकसित भारत की सच्चाई को उजागर किया है। राहुल ने एक्स पर ट्वीट कर लिखा कि मोदी जी के विकसित भारत की सच्चाईरू मेहनत आपकी, मुनाफा किसका? आप सभी के खून पसीने से देश की अर्थव्यवस्था का पहिया घूम रहा है, लेकिन

क्या आपको इसमें उचित हिस्सा मिल रहा है? जरा सोचिएरू – मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी 60 साल के सबसे निचले स्तर तक चली गई। इस वजह से लोगों को रोजगार के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। कृषि क्षेत्र में गलत नीतियों ने किसान और खेत मजदूर की स्थिति बदहाल की है। वे मुश्किल से अपना गुजारा कर पा रहे हैं। पिछले पांच वर्षों में श्रमिकों की वास्तविक आमदनी या तो स्थिर है या कम हुई है। – हानिकारक ळैज और इनकम टैक्स की मार ने गरीब और मिडिल क्लास का जीना हराम कर रखा है, जबकि कॉर्पोरेट का कर्जा माफ किया जा रहा है।

## झारखंड में झामुमो ने 50 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य किया तय, अभियान शुरू

रांची, (एजेंसी)। झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन की अगुवाई करने वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत बनाने की कवायद शुरू की है। इसी कड़ी में पार्टी ने पूरे राज्य में 50 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया है। सोमवार से इसके लिए विभिन्न जिलों में अभियान शुरू हो गया है। सदस्यता अभियान 28 फरवरी तक चलेगा। पार्टी के सभी सांसदों, विधायकों और मंत्रियों को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का निर्देश दिया गया है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद पूरे अभियान की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। अभियान पूरा होते ही पार्टी के केंद्रीय महाधिवेशन में केंद्रीय कार्यकारिणी और केंद्रीय समिति की घोषणा की जाएगी। इसके पहले 21 जिलों में पार्टी की कमेटियां भंग कर संयोजक मंडल का गठन किया गया है। संयोजक मंडल पंचायत, वार्ड और प्रखंड से लेकर जिला स्तर तक ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ने के लिए कैंप लगाएगा। इसके बाद सबसे पहले बूथ कमेटियां गठित की जाएंगी। रांची में सोमवार को शहर के अल्बर्ट एक्का चौक पर लगाए गए कैंप से सदस्यता अभियान की शुरुआत जिला संयोजक मुश्ताक आलम की अगुवाई में हुई। इस कैंप में पहले दिन 1,200 लोगों ने पार्टी की सदस्यता ली। मुश्ताक आलम ने कहा कि सरकार की योजनाओं से विशेष रूप से महिलाएं प्रभावित हैं और वे पार्टी के साथ सक्रिय तौर पर जुड़ने के लिए आगे आ रही हैं। पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड के लोगों ने जिन आकांक्षाओं के साथ हमें प्रचंड बहुमत दिया है, उसे और भी व्यापक स्वरूप देने के लिए हमलोग प्रतिबद्ध हैं। इसके तहत रांची जिले में 5 लाख और झारखंड में 50 लाख सदस्य बनाए जाएंगे।

## आरजी कर मामला एक दुर्लभ अपराध, दोषी को उम्रकैद नहीं, मौत की सजा देनी चाहिए : प्रमोद तिवारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस के दिग्गज नेता एवं राज्यसभा के उपनेता प्रमोद तिवारी मंगलवार को आईएएनएस से खास बात की। इस दौरान उन्होंने कोलकाता के आरजीकर मामले में मुख्य आरोपी संजय राय को हुए उम्रकैद पर निराशा व्यक्त की और मौत की सजा देने की बात कही। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने आईएएनएस से कहा, ष्पोस्टमार्टम रिपोर्ट देखने के बाद पता चला कि एक बेटी जो डॉक्टर के रूप में अनंत संभावना ली हुई थी, उसको वासना और बर्बरता के भेंट चढ़ना पड़ा, सिर्फ एक सिरफिरे इंसान के कारण। कोई अगर पोस्टमार्टम रिपोर्ट देख ले तो पता चलेगा कि लड़की के साथ कितनी निर्ममता और क्रूरता हुई। ऐसे में उसके साथ न्याय नहीं हुआ। दोषी को मौत की सजा होनी चाहिए थी, जो नहीं हुई है। सरकार को हाईकोर्ट में जाकर अपील करनी चाहिए और मौत के सजा की मांग करनी चाहिए। यह दुर्लभ अपराध में से एक है। उत्तराखंड कैबिनेट द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को पास करने और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा पूरे उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने को लेकर प्रमोद तिवारी ने कहा, ष्सालों से ऐसा सुन रहे हैं।

हर चुनाव से पहले उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ऐसा बोलते हैं। अब दिल्ली चुनाव से पहले भी उन्होंने ऐसा बोला है। हम इस पर तभी प्रतिक्रिया देंगे, जब उसका प्रारूप और ड्राफ्ट प्रस्ताव के रूप में हमारे सामने आएगा। दिल्ली चुनाव में अवैध रोहिंग्या घुसपैठिए के मामले के तूल पकड़ने और उपराज्यपाल द्वारा पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर इस पर कार्रवाई करने को लेकर कांग्रेस नेता ने कहा, ष10 साल से दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की सरकार है। एक केंद्र शासित प्रदेश होने के कारण दिल्ली की कानून व्यवस्था उपराज्यपाल के हाथों में है। लेकिन अब तक उन्होंने कुछ नहीं किया और जब चुनाव आ गया है, तो एलजी पत्र लिख रहे हैं। दिल्ली का कानून व्यवस्था केंद्र की भाजपा सरकार के हाथ में है। उन्होंने अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की। रोहिंग्या दिल्ली आए कैसे और आए तो यहां पर रुके कैसे? लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि जो भी अवैध रूप से रह रहे हैं, उनको रहने का अधिकार नहीं है।

## दिल्ली की सियासी लड़ाई रोहिंग्या और बांग्लादेशियों पर आई, भाजपा ने आप पर लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की चुनावी सियासत रोहिंग्या और बांग्लादेशियों के इर्द–गिर्द घुमती दिख रही है। बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि आप रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को संरक्षण देती है, अब इसका विरोध हो रहा है। सैफ अली खान के मामले से देश सदमे में है। अवैध घुसपैठियों का समर्थन करने वाली आप जैसी पार्टियों पर बड़ा सवाल उठ रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता अवैध घुसपैठियों का समर्थन करने वाली पार्टी को चुनाव में बाहर कर देगी। कालकाजी विधानसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने कहा कि आप नेताओं ने रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के आधार कार्ड और राशन कार्ड बनाए हैं। इसकी जांच होनी चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी में बीजेपी सरकार बनने के बाद डिटेंशन सेंटर बनाए जाएंगे और उनमें रोहिंग्या और घुसपैठियों को रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अपना राशन कार्ड बनाया है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं, बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हिंसक हमले के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आपराधिक गतिविधियों में शामिल अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। खान पर उनके मुंबई स्थित आवास पर हुए हमले में एक बांग्लादेशी नागरिक शामिल था, जिस पर अभिनेता पर हमला करने का आरोप था। राज्यपाल सक्सेना ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर इन घुसपैठियों की पहचान करने और उन पर नजर रखने के लिए एक विशेष मिशन चलाने का आग्रह किया है। पत्र में कहा गया है कि ऐसे आप्रवासी अक्सर गलत पहचान के तहत रोजगार पाते हैं, कुछ रेस्तरां में भी काम करते हैं, और इससे कम मजदूरी की स्वीकृति के कारण स्थानीय श्रम बाजारों पर उनके प्रभाव के बारे में चिंता बढ़ गई है।

## मध्य प्रदेश के किसानों को शिवराज से मुलाकात का इंतजार : जीतू पटवारी

भोपाल, (एजेंसी)। कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हर मंगलवार को किसानों से मुलाकात करने का वादा किया था।

मगर अभी तक मध्य प्रदेश के किसानों को इंतजार है। ऐसा इसलिए क्योंकि 19वां मंगलवार आ गया है, मगर उन्हें मुलाकात का समय नहीं मिला है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पिछले 19 सप्ताह से की जा रही मुलाकात की मांग का जिक्र करते हुए कृषि मंत्री चौहान से कहा कि आज उन्नीसवां मंगलवार आ गया, लेकिन आपकी ओर से अब तक कोई जवाब नहीं आया।

आपने वादा किया था कि हर मंगलवार किसानों से मिलेंगे। मध्य प्रदेश का किसान होने के नाते, मैं एक बार फिर प्रदेश के किसानों के साथ इस मंगलवार भी आपसे मिलने का निवेदन कर रहा हूं। पटवारी ने आगे कहा कि पिछले छह महीनों से मैं प्रदेश के कोने–कोने में जाकर किसानों से मिल रहा हूं।

हर जगह किसान अपनी फसल के दाम न मिलने, मुआवजे की अनदेखी और सरकारी उदासीनता से परेशान हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने सवाल उठाया है कि आपके अपने ही गृह राज्य के किसानों को आखिर कब तक आपसे समय मांगना पड़ेगा? ज्ञात हो कि कांग्रेस लगातार राज्य के किसानों की समस्याओं को लेकर राज्य और केंद्र की सरकार को घेरने में लगी है। कांग्रेस का आरोप है कि राज्य के किसानों की समस्याओं पर अब तक सरकार और राज्य से नाता रखने वाले कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की ओर से उन पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। राज्य की राजनीति में किसान लंबे अर्से से सियासी मुद्दा रहा है और अभी भी कांग्रेस सत्ताधारी दल को किसानों की समस्याओं को लेकर घेरने की कोशिश कर रही है।

## कांग्रेस का आरोप, पीएम मोदी ने मणिपुर को अमित शाह को किया आउटसोर्स

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक ताजा हमले में, कांग्रेस ने मंगलवार को दोहराया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मणिपुर की आउटसोर्सिंग करना प्रधान मंत्री पद की जिम्मेदारी का त्याग है, और पीएम से तुरंत संघर्षग्रस्त राज्य का दौरा करने की मांग की। पार्टी का यह हमला पीएम मोदी द्वारा आज तड़के त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर के लोगों को उनके राज्य दिवस पर बधाई देने के बाद आया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि यदि मणिपुर की स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री के मन में जरा भी चिंता है तो उन्हें राज्य का दौरा करना चाहिए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से मणिपुर के लोगों को उनके राज्य दिवस पर शुभकामनाएं भेजी हैं। हालांकि 3 मई, 2023 को मणिपुर की पीड़ा शुरू होने के बाद से उन्होंने, थोड़े समय के लिए भी मणिपुर का दौरा करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि वह पूरी दुनिया में कई जगह गए हैं, लेकिन इंफाल और राज्य के लोगों तक पहुंचने के लिए उन्हें समय नहीं मिला या इसमें उनकी रुचि नहीं है। रमेश ने कहा, मोदी जी ने राज्य में अपनी ही पार्टी के विधायकों से मिलने से इनकार कर दिया है। उन्होंने न तो मुख्यमंत्री के साथ बैठक की है, न ही उन्होंने राज्य के सांसदों, राजनीतिक नेताओं और सामाजिक संगठनों से मुलाकात की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य दिवस पर उनकी शुभकामनाएं खोखली हैं और उनके उस पाखंड को दर्शाती हैं जिसकी कोई सीमा नहीं है। रमेश ने कहा, कांग्रेस मांग करती है कि वह तुरंत मणिपुर का दौरा करें। यदि उसके मन में जरा सी भी चिंता है तो वह अपनी चिंता दर्शाने के लिए कम से कम इतना तो कर ही सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि मणिपुर को केंद्रीय गृह मंत्री को आउटसोर्स करना प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी का त्याग है और यह विनाशकारी साबित हुआ है।

# संपादकीय

## खो-खो के सरताज

ब्रिटिश काल में भारत में तमाम ऐसे खेल पनपे जिन्होंने परंपरागत स्वदेशी खेलों को हाशिये पर डाल दिया। एक ओर जहां महंगे खर्च वाले खेलों को तरजीह दी गई, वहीं बिना खर्च के शारीरिक–मानसिक स्वास्थ्य बढ़ाने वाले खेलों के प्रति हेय भाव जगाया। यही वजह है कि बाजार के खेल में हॉकी, शरीर सौष्ठव के कलात्मक खेल व खो–खो जैसा संपूर्णता का स्वास्थ्य देने वाला खेल अनदेखी का शिकार हुए। यह सुखद ही है कि भारत में पहली बार दुनिया में खो–खो की वैश्विक स्पर्धा हुई। जिसमें विश्व के दो दर्जन देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। पिछले दिनों पंद्रह जनवरी से नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में पहले खो–खो वर्ल्ड कप की शुरुआत हुई थी। जिसका समापन उन्नीस जनवरी को हुआ। भारतीय महिला व पुरुष टीम ने नेपाल को हराकर खिताबी जीत हासिल की। महिला टीम ने दक्षिणी अफ्रीका के खिलाफ बड़ी जीत से जिस विजय अभियान की शुरुआत की थी, उसका समापन नेपाल के खिलाफ शानदार जीत से हुआ। इस तरह अब भारत महिला व पुरुष वर्ग में पहली वर्ल्ड चौंपियन टीम बन गई है। रविवार को हुए फाइनल मैच में भारतीय खिलाड़ियों ने एक अरब चालीस करोड़ भारतीयों को खुश होने का अवसर दे दिया। लेकिन एक बात जरूर अखरती है कि इस वर्ल्ड चौंपियन टीम को कोई प्राइज मनी नहीं दी गई है। नई दिल्ली में आयोजित पहले खो–खो विश्व कप में महिला और पुरुष दोनों वर्ग में वर्ल्ड चौंपियन बनने पर केवल ट्रॉफी व खिलाड़ियों को मेडल ही दिए गए। भारतीय खो–खो फैडरेशन की दलील थी कि टैक्स कानून की जटिलताओं की वजह से कैश प्राइज नहीं दिए गए। कहा गया कि इससे विदेशी खिलाड़ियों को दिक्कत पैदा हो सकती थी। हालांकि, इस पहले खो–खो वर्ल्ड कप को पर्याप्त प्रायोजक भी मिले थे। ऐसे में पहली बार विश्व चौंपियन बनने वाले खिलाड़ियों को कैश प्राइज दिए जाने पर विचार किया जाना चाहिए था। निश्चित रूप से इस स्वदेशी खेल के खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने और इसे लोकप्रिय बनाने के लिये विशेष प्रयास किये जाने चाहिए। निश्चय ही हाल के वर्षों में भारतीय खो–खो फेडरेशन यानी केकेएफआई ने श्रम–साध्य प्रयास किए हैं। यह भारतीय खेल दुनिया के अनेक देशों में नहीं खेला जाता। इसे लोकप्रिय बनाने के लिये न केवल दूसरे देशों को प्रेरित किया गया बल्कि भारत से वहां इस खेल को सिखाने के लिये कोच भी भेजे गए। इन देशों में खो–खो फेडरेशन बनाने में सहयोग किया गया। जिससे दुनिया के विभिन्न देशों में इस खेल के प्रति दिलचस्पी पैदा हुई। निश्चित रूप से खो–खो भारत में खेला जाने वाला ऐसा खेल है जिसको जीतने के लिये न केवल रणनीति की जरूरत होती है बल्कि मनुष्य के आदर्श गुणों चुस्ती–फुर्ती, गतिशीलता व सहनशक्ति की भी आवश्यकता होती है। जो इस खेल को लोकप्रिय बनाने में सहायक है। निस्संदेह, भारत में खो–खो लीग के प्रयासों से भी इस खेल को प्रोत्साहन मिला। बाकायदा इस खेल को लोकप्रिय बनाने के लिये सलमान खान को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया। अब विश्व कप के आयोजन से इसकी वैश्विक लोकप्रियता को बढ़ावा मिलेगा। खो–खो फेडरेशन की कोशिश है कि आने वाले वर्षों में इसे एशियाड व ओलंपिक खेलों में शामिल किया जाए। इस अभियान में सलमान खान के साथ खेल सितारे नीरज चोपड़ा का भी सहयोग मिला है। निस्संदेह, इस खेल को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बनाने में हालिया विश्वकप की बड़ी भूमिका हो सकती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि आने वाले वर्षों में भारत की मिट्टी से जुड़ा यह खेल वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता हासिल करेगा। जरूरत इस बात की है कि इस खेल का प्रशिक्षण वैज्ञानिक तरीके से दिया जाए। खिलाड़ियों की शारीरिक व मानसिक शक्ति को मजबूत करने के लिये पर्याप्त सुविधाएं प्रदान की जाएं। तभी विश्व कप, साउथ एशियन गेम्स तथा एशियन चौंपियनशिप में मिली कामयाबी को भारतीय खिलाड़ी भविष्य में होने वाले एशियाड और ओलंपिक के मुकाबलों में दोहरा सकेंगे। भारतीय माटी से जुड़े इस खेल के लिये खिलाड़ियों की तलाश देश के आदिवासी, दूरदराज के क्षेत्रों व पर्वतीय इलाकों में की जाए। फिर उन्हें तराशकर विश्व स्तरीय खिलाड़ी तैयार किए जाएं।

## कश्मीर से पंडितों के पलायन के चार दशक

कश्मीर के सर्वाधिक नए जन सांख्यिकीय आंकड़ों पर नजर डाले तो स्वतंत्रता के समय वहां घाटी में 15: कश्मीरी पंडितों की आबादी थी जो आज 1: से नीचे होकर 0: की ओर बढ़ गई है। हाल ही के इतिहास में कश्मीर के ज.स. सांख्यिकी में यदि परिवर्तन का सबसे बड़ा कारक खोजें तो वह एक दिन, यानि 19 जनवरी 1990 के नाम से जाना जाता है। कश्मीरी पंडितों को उनकी मातृभूमि से खदेड़ देनें की इस घटना की यह भीषण और वीभत्स कथा 1989 में आकार लेनें लगी थी। पाकिस्तान प्रेरित और प्रायोजित आतंकवादी और अलगाववादी यहाँ अपनी जड़ें बैठा चुके थे। भारत सरकार आतंकवाद की समाप्ति में लगी हुई थी तब के दौर में वहां रह रहे ये कश्मीरी पंडित भारत सरकार के मित्र और इन आतंकियों और अलगाववादियों के दुश्मन और खबरी सिद्ध हो रहे थे। इस दौर में कश्मीर में अलगाववादी समाज और आतंकवादियों ने इस शांतिप्रिय हिन्दू पंडित समाज के विरुद्ध चल रहे अपनें धीमे और छदम संघर्ष को घोषित संघर्ष में बदल दिया। इस भयानक नरसंहार पर फारुक अब्दुल्ला की रहस्यमयी चुप्पी और कश्मीरी पंडित विरोधी मानसिकता केवल इस घटना के समय ही सामने नहीं आई थी। तब के दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला अपने पिता शेख अब्दुल्ला के कदमों पर चलते हुए अपना कश्मीरी पंडित विरोधी आचरण कई बार सार्वजनिक कर चुके थे। 19 जनवरी 1990 के मध्ययुगीन, भीषण और पाशविक दिन के पूर्व जमात–ए–इस्लामी द्वारा कश्मीर में अलगाववाद को समर्थन करने और कश्मीर को हिन्दू विहीन करनें के उद्देश्य से हिज्बुल मुजाहिदीन की स्थापना हो गई थी। इस हिजबुल मुजाहिदीन नें 4 जनवरी 1990 को कश्मीर के स्थानीय समाचार पत्र में एक एक विज्ञप्ति प्रकाशित कराई जिसमें स्पष्टतः सभी कश्मीरी पंडितों को कश्मीर छोड़ने की धमकी दी गई थी। इस क्रम में उधर पाकिस्तानी प्रधानमन्त्री बेनजीर नें भी टीवी पर कश्मीरियों को भारत से मुक्ति पानें का एक भड़काऊ भाषण दे दिया। घाटी में खुले आम भारत विरोधी नारे लगनें लगे। घाटी की मस्जिदों में अजान के स्थान पर हिन्दुओं के लिए धमकियां और हिन्दुओं को खदेड़ने या मार–काट देने के जहरीले आव्हान बजनें लगे। एक अन्य स्थानीय समाचार पत्र अल–सफा ने भी इस विज्ञप्ति का प्रकाशन किया था। इस भड़काऊ, नफरत, धमकी, हिंसा और भय से भरे शब्दों और आशय वाली इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के बाद कश्मीरी पंडितों में गहरें तक भय, डर घबराहट का संचार हो गया। यह स्वाभाविक भी था क्योंकि तब तक कश्मीरी पंडितों के विरोधा में कई छोटी बड़ी घटनाएं वहां सतत घाट ही रही थी और कश्मीरी प्रशासन और भारत सरकार दोनों ही उन पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे थे। 19जन. 1990 की भीषणता को और कश्मीर और भारत सरकार की विफलता को इससे स्पष्ट समझा जा सकता है कि पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर और दुकानों पर नोटिस चिपका दिए गए थे ।

# बेजोड़ इसरो को आगे ले जाने वाला ‘जोड़’

डॉ. संजय

गणित में दो जमा दो बेशक चार होते हैं, लेकिन जब मामला अंतरिक्षीय माहौल में की जाने वाली गणनाओं का हो, तो आसपास के माहौल में मौजूद लेकिन बदले हुए भौतिकी और रासायनिक कायदों को भी ध्यान में रखना पड़ता है। फिर चाहे बात अंतरिक्ष में लोबिया उगाने या फिर दो उपग्रहों की ‘डॉकिंग’ यानी उन्हें आपस में जोड़ने की हो। बीते साल 30 दिसंबर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने स्पेडेक्स नाम के मिशन पर जो दो उपग्रह अंतरिक्ष में भेजे थे, उनसे जुड़ी ताजा उपलब्धि यह है कि 16 जनवरी, 2025 को उनकी सफल ‘डॉकिंग’ हो गई है। यह कामयाबी ऐसी है जो इससे पहले अमेरिका, रूस और चीन ही हासिल कर पाया है। इस सफलता का महत्व इससे समझ में आता है कि अब भारत चंद्रयान–4, गगनयान और खुद के स्पेस स्टेशन के निर्माण के अलावा भावी सुदूर और जटिल अंतरिक्षीय अभियानों से जुड़े कुछ जटिल काम खुद के बूते कर पाएगा। यही नहीं, अगर इरादा अंतरिक्ष के बाजार का बड़ा खिलाड़ी बनाने का हो, तब ऐसे अभियानों का महत्व और भी बढ़ जाता है। बहरहाल, पहले बात लोबिया की, जिसके बीजों को इसरो ने पहली बार अपनी क्षमताओं के बल पर अंतरिक्ष में अंकुरित और पल्लवित किया है। पृथ्वी के मुकाबले अंतरिक्ष में बीजों के अंकुरण और विकास का पैटर्न काफी अलग होता है। इसका कारण है अंतरिक्ष का सूक्ष्म अथवा शून्य गुरुत्वाकर्षण, जिसमें बीज और पौधे अपने विकास का अलग ढंग अपनाते हैं। धरती के मुकाबले पौधे जीरो ग्रैवेटी में सभी दिशाओं में बढ़ सकते हैं। खुले अंतरिक्ष में तो नहीं, लेकिन अंतरिक्षयान या उपग्रह में अथवा चंद्रमा या मंगल की मिट्टी में बीजांकुरण और पल्लवन के लिए आवश्यक पोषक तत्वों (नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम और सल्फर) के अलावा आयरन, जिंक, मैंगनीज और कॉपर जैसे तत्वों की भी जरूरत होती है, जो सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रैविटी) में पौधे के विकास में मदद करते हैं। ऐसी जटिलताओं के साथ जब इसरो ने अपने एक मिशन पर गए दो उपग्रहों के जरिए लोबिया के आठ बीजों को कॉम्पैक्ट रिसर्च मॉड्यूल फॉर ऑर्बिटल प्लांट स्टडीज के तहत पीएसएलवी–सी60 पीओईएम–4 प्लेटफॉर्म पर उगाने की कोशिश की, तो अभियान के चौथे दिन ही उनमें अंकुर दिखाई दे गए। अगले कुछ दिनों में लोबिया की पत्तियां भी निकल आई हैं। ध्यान रहे कि लोबिया के बीजों को जिन उपग्रहों के साथ इसरो ने अंतरिक्ष में भेजा था, यह वही स्पेडेक्स मिशन है जिसमें एक बड़ी कामयाबी 16 जनवरी को मिली है। शून्य गुरुत्वाकर्षण की स्थितियों में दो उपग्रहों की ‘डॉकिंग’ लोबिया के बीजों को अंकुरित करने के मुकाबले और भी कठिन थी क्योंकि ये दोनों उपग्रह करीब 29 हजार किलोमीटर प्रति घंटा की गति से पृथ्वी की कक्षा में भाग रहे थे। अंतरिक्ष में ‘डॉकिंग’ का अर्थ दो पृथक इकाइयों को परस्पर संबद्ध करने या जोड़ने से लगाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर नए यात्रियों या रसद को पहुंचाना हो तो धरती से भेजे गए यान को स्पेस स्टेशन से जोड़ना पड़ता है। यहां तक कि स्पेस स्टेशन के निर्माण की प्रक्रिया में भी यही ‘डॉकिंग’ तकनीक काम आती है जब कई उपकरण और प्लेटफार्म टुकड़ा–दर–टुकड़ा जोड़ने होते हैं। एक बड़े मिशन में कई बार अनेक रॉकेट या यान अंतरिक्ष में भेजने पड़ते हैं। इनकी अनेक बार मूल प्लेटफार्म या दूसरे उपग्रहों अथवा यानों से ‘डॉकिंग’ करानी पड़ती है। दो उपग्रहों या दो प्लेटफॉर्म अंतरिक्ष में सफलता से जोड़ना आसान नहीं है। असली कारण तो है शून्य गुरुत्वाकर्षण, जिसमें बोतल से छिटकी पानी की एक बूंद भी पल भर में कहां से कहां पहुंच जाती है, पता नहीं चलता। ऐसे में किसी यांत्रिक प्रबंध के नट–स्क्रू कहां और कैसे जुड़ जाएं और क्या पता जोड़े ही न जा सकें– कहा नहीं जा सकता है। लेकिन इस बेहद जटिल काम में महारत हासिल हो जाए तो फिर बात चाहे चंद्रयान–4 की हो या फिर गगनयान या भारतीय स्पेस स्टेशन की, लगता है कि अब इन अभियानों की सफलता में ज्यादा संदेह नहीं है। चंद्रयान–4 के संदर्भ में भी कहा जा सकता है कि उसमें ‘इन–स्पेस डॉकिंग’ तकनीक काफी काम आएगी। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक चंद्रयान–4 मिशन के तहत इसरो दो रॉकेटों क्रमशः एलएमवी–3 और पीएसएलवी के जरिए अलग–अलग उपकरणों के दो सेट चंद्रमा पर लॉन्च करेगा। इसके अलावा अंतरिक्ष यान का एक मॉड्यूल भी चंद्रमा की सतह पर उतरेगा, जहां से यह चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के नमूने एकत्र करेगा। नमूनों को जमा करने के बाद उन्हें एक बॉक्स में रखेगा और फिर चंद्रमा की परिक्रमा कर रहे यान से जुड़ने के बाद पृथ्वी पर वापस आएगा। इस पूरी योजना में डॉकिंग और अनडॉकिंग– इन दोनों ही तकनीकों का बेहद सूक्ष्मता और सावधानी से इस्तेमाल करना होगा। उपग्रहों की देखरेख (सैटेलाइट सर्विसिंग), लंबी दूरी के अंतरिक्ष अभियानों (इंटरप्लेनेटरी मिशनों) और इंसानों को चंद्रमा पर भेजने में भी यह तकनीक काफी मददगार साबित हो सकती है। बेशक ‘डॉकिंग’ एक छोटा सा तकनीकी इंतजाम है, लेकिन यह एक ऐसा ‘जोड़’ है जिस पर भावी भारतीय अंतरिक्ष अभियानों की नींव टिकी है। इसका महत्व इतना ज्यादा है कि कामयाबी की खबर को साझा करते हुए इसरो ने दो उपग्रहों की ‘डॉकिंग’ को ‘रोमांचक हैंडशेक’ कहा। ‘डॉकिंग’ के छोटे लेकिन महत्वपूर्ण काम के लिए इसरो ने 30 दिसंबर, 2024 को

श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से रॉकेट पीएसएलवी–सी60 के जरिए एसडीएक्स–01 और एसडीएक्स–02 नाम के दो छोटे उपग्रह पृथ्वी की निचली कक्षा में करीब 475 किलोमीटर ऊपर भेजे थे। इनमें से एक उपग्रह पीछा करने वाले (चेजर) और दूसरा लक्ष्य (टारगेट) की भूमिका में था। मकसद था कि पहले इन उपग्रहों की सफल डॉकिंग कराई जाए। इसके बाद के चरणों में अंतरिक्ष यानों से परस्पर ऊर्जा का हस्तांतरण करना और अनडॉकिंग (जुड़ने के बाद उपग्रहों के एक दूसरे से मुक्त होने की प्रक्रिया) के बाद पेलोड का संचालन करना शामिल है। दो साल की अवधि में स्पेडेक्स मिशन के तहत इन सभी चरणों की सफलता साबित करेगी कि इसरो अंतरिक्ष में दो यानों को ‘डॉक’ और ‘अनडॉक’ करने के मामले में कितनी काबिलियत रखता है। भारत से पहले यह क्षमता अमेरिका, रूस और चीन हासिल कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि दो उपग्रहों को अंतरिक्ष में परस्पर जोड़ने और अलग करने की इस पूरी प्रक्रिया या डॉकिंग मैकेनिज्म पर भारत ने ‘भारतीय डॉकिंग सिस्टम’ के नाम से पेटेंट लिया है। दरअसल, इस सफलता का एक कारोबारी महत्व भी है। असल में, इसरो का एक ध्यान जटिल तकनीकी दक्षता हासिल करने के साथ ऐसे मिशनों के जरिए वैश्विक कमर्शियल अंतरिक्ष मार्केट में भारत की पकड़ मजबूत करना भी है। दावा किया जाता है कि वर्ष 2030 तक अंतरिक्ष बाजार का कारोबार 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है, जिसमें फिलहाल भारत की हिस्सेदारी सिर्फ दो फीसदी या फिर आठ अरब डॉलर की है। भारत का लक्ष्य इसे 2040 तक बढ़ाकर 44 अरब डॉलर करना है। ऐसा तभी हो सकता है जो इन–स्पेस–डॉकिंग जैसे कार्यों में इसरो की सिद्धहस्ता साबित हो।

# जवाबदेही व स्थानीय संवेदनशीलता हो प्राथमिकता

के.एस.

हिमाचल प्रदेश विधानसभा ने हाल ही में हिमाचल प्रदेश पुलिस (संशोधन) विधेयक, 2024 पारित किया। यह विधेयक प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने, भर्ती प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और जनसेवकों को उत्पीड़न से बचाने का लक्ष्य रखता है। हालांकि, इसके उद्देश्य प्रगतिशील हैं, लेकिन इसके प्रभावों पर व्यापक बहस हो रही है, खासकर जवाबदेही, स्थानीय शासन और प्रशासनिक लचीलापन के संदर्भ में। विधेयक का एक महत्वपूर्ण प्रावधान है कि सरकारी अधिकारियों को उनके आधिकारिक कर्तव्यों के दौरान की गई कार्रवाइयों के लिए गिरफ्तार करने से पहले सरकार से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। समर्थकों का कहना है कि यह ईमानदार अधिकारियों को राजनीतिक या फ्रिवोलस मुकदमों से बचाता है, जबकि आलोचकों का मानना है कि इससे जवाबदेही में देरी हो सकती है और प्रशासनिक ईमानदारी पर जनता का विश्वास कमजोर हो सकता है। पारदर्शिता के पक्षधर यह चाहते हैं कि इस प्रावधान में कड़े चेक और बैलेंस हों, ताकि यह भ्रष्टाचार को बढ़ावा न दे। संशोधन में पुलिस कांस्टेबलों और हेड कांस्टेबलों का जिला कैडर से राज्य कैडर में पुनर्गठन किया गया है, जिसका उद्देश्य भर्ती को मानकीकरण करना और कर्मियों के आवंटन को अधिकतम करना है। राज्य–स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड के तहत भर्ती प्रक्रिया को केंद्रीकरण करके सरकार ने भाई–भतीजावाद को समाप्त करने और जिलों के बीच संसाधन असंतुलन को दूर करने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, इस विधेयक के स्थानीय पुलिसिंग पर प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। आलोचकों का कहना है कि अधिकारियों का स्थानांतरण, जिनके पास स्थानीय सांस्कृतिक और सामाजिक जानकारी नहीं होती, कानून प्रवर्तन की क्षमता को कमजोर कर सकता है। इसके अलावा, स्थानीय भर्ती में काम करने वाले कर्मियों का उत्साह कम होगा, जो अपने घर के जिलों में सेवा करने पर गर्व महसूस करते हैं, जिससे पुलिस बल का मनोबल प्रभावित हो सकता है। भाजपा सरकार पर भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने का आरोप लगा रही है। उनका मानना है कि पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता से ब्यूरोक्रेट्स और राजनेताओं को कानूनी सुरक्षा मिलती है, जिससे जवाबदेही कमजोर होती है। इसके अलावा, भर्ती के केंद्रीकरण पर आलोचना करते हुए, क्योंकि यह अधिकारियों को उन समुदायों से दूर कर सकता है, जिनकी वे सेवा करते हैं, जिससे स्थानीय प्रशासन की ताकत घट सकती है। भाजपा की आलोचना स्थानीय आवश्यकताओं और सांस्कृतिक अंतरों को नजरअंदाज करने की चिंता को व्यक्त करती है। हालांकि, विधेयक का उद्देश्य महत्वाकांक्षी है, लेकिन इसमें पुलिस बल की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए कोई प्रावधान नहीं है। राजनीतिक हस्तक्षेप को रोकने के बिना, कानून प्रवर्तन बाहरी दबावों से प्रभावित हो सकता है, जिससे इसकी दक्षता और स्वतंत्रता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा, संसाधन की कमी एक महत्वपूर्ण समस्या हो सकती है, क्योंकि पहाड़ी क्षेत्रों में पुलिसिंग के लिए विशेष उपकरण, बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। आलोचकों का मत है कि विधेयक इन आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त वित्तपोषण नहीं प्रदान करता, जिससे सुधारों की प्रभावशीलता पर संकट आ सकता है। पुलिस आवास और दूरस्थ क्षेत्रों में गतिशीलता के लिए कोई प्रावधान न होने से समस्याएं और बढ़ सकती हैं। बाहरी निगरानी तंत्र की कमी से शिकायत निवारण और जनता का विश्वास घट सकता है। इसके अलावा, विधेयक में लिंग विविधता और समावेशन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया, जिससे पुलिस बल में महिला और पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने का अवसर खो सकता है। महिला हेल्पलाइनों और लिंग–विशिष्ट भर्ती अभियानों के जरिए इन सुधारों को पूरा किया जा सकता है। महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और बिहार के अनुभव हिमाचल प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण सबक हैं। महाराष्ट्र ने तकनीकी–आधारित भर्ती से पारदर्शिता और निष्पक्षता बढ़ाई, जबकि केरल की सामुदायिक पुलिसिंग ने पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत किया। तमिलनाडु ने पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण स्थापित कर स्वतंत्र निगरानी तंत्र की आवश्यकता को सामने रखा, और उत्तर प्रदेश ने डिजिटलीकरण के माध्यम से पुलिस बल का आधुनिकीकरण किया। बिहार के केंद्रीकृत भर्ती से स्थानीय मुद्दों पर असर पड़ा, जिससे हिमाचल को अपने भौगोलिक और सांस्कृतिक जटिलताओं को ध्यान में रखते हुए सुधारों को लागू करने की आवश्यकता है। सुधारों की सफलता के लिए सरकार को गहन दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। तमिलनाडु की तरह एक स्वतंत्र निगरानी निकाय स्थापित करें, हिमाचल की विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त संसाधनों और बुनियादी ढांचे में निवेश करें, केरल के सामुदायिक पुलिसिंग मॉडल से प्रेरणा लेकर विश्वास और सहभागिता बढ़ाएं, डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके पारदर्शिता और शिकायत निवारण को बढ़ावा दें, और महिलाओं और पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व बढ़ाएं। वर्ष 2024 का हिमाचल पुलिस (संशोधन) विधेयक राज्य में कानून प्रवर्तन को आधुनिकीकरण करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जो दक्षता और जनसेवकों की सुरक्षा को बढ़ावा देता है। हालांकि, जवाबदेही, संसाधन आवंटन और स्थानीय संवेदनशीलता की चिंताएं बनी हुई हैं। अन्य राज्यों से सीखकर और इन मुद्दों को हल करके, हिमाचल प्रदेश प्रभावी और समान पुलिसिंग का मानक स्थापित कर सकता है।

# विश्व राजनीति के लिए महत्वपूर्ण घटनाएं

वैश्विक राजनीति के लिए रविवार और सोमवार के दिन खास महत्वपूर्ण हो गए हैं। एक तरफ रविवार को इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम की शुरुआत हो गई है। दोनों पक्षों से एक–दूसरे के बंधकों को छोड़ने का ऐलान हुआ और अब हमास ने इजरायल के कुछ बंधकों को रिहा भी कर दिया है। इधर सोमवार 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेकर डोनाल्ड ट्रंप इतिहास में अपनी अलग जगह बना चुके हैं। भारतीय समयानुसार रात साढ़े दस बजे के करीब ट्रंप का शपथग्रहण निर्धारित था। राष्ट्रपति की कुर्सी दोबारा संभालने से पहले वाशिंगटन डीसी में डोनाल्ड ट्रंप अघोषित तरीके से अपना शक्ति प्रदर्शन करते रहे। उनके सम्मान में रात्रिभोज, आतिशबाजी के कार्यक्रम हुए, जिसमें व्यापार, तकनीकी और राजनीति से जुड़ी दिग्गज हस्तियों ने हिस्सा लिया। भारत की तरफ से धनकुबेर मुकेश अंबानी अपनी पत्नी नीता अंबानी के साथ ट्रंप के जश्न में हिस्सा लेने पहुंचे, वहीं ट्रंप के बाएं हाथ बन चुके एलन मस्क भी ट्रंप की शान में कसीदे पढ़ते और अमेरिका को फिर से महान बनाने, बल्कि सदियों तक महान बनाने का संकल्प लेते दिखे। ये नजारे बता रहे हैं कि डोनाल्ड ट्रंप के इस दूसरे कार्यकाल में अमेरिका में न केवल पूंजीवाद का बोलबाला दिखने वाला है, बल्कि अब भू–राजनैतिक समीकरण भी काफी हद तक बदलेंगे। ट्रंप चार साल सत्ता से बाहर रहने के बाद फिर से व्हाइट हाउस लौट रहे हैं, इससे पहले ग्रोवर क्लीवलैंड के साथ भी ऐसा ही हुआ था, जिन्होंने पहली बार साल 1885 में अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी, लेकिन 1889 में वे चुनाव हार गए थे और फिर 1893 में उन्होंने दोबारा वापसी की थी। 130 साल बाद अमेरिका फिर ऐसे ही घटनाक्रम का साक्षी बना है। बोला था, वह दृश्य अमेरिकी लोकतांत्रिक राजनीति के लिए अभूतपूर्व और चौंकाने वाला था। ट्रंप ने तब चुनावों में धोखाधड़ी का इल्जाम लगाया था, वे बाद में कई मौकों पर पीड़ित की तरह प्रस्तुत करते रहे और सत्ता में लौटने का ऐलान उनकी तरफ से होता रहा। पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान जुलाई में जब उन पर गोली चली और वे बाल–बाल बचे, तब इस बात की प्रबल संभावनाएं बन गईं कि अब ट्रंप सत्ता में वापसी करेंगे। इस संभावना को जो बाइडेन की गिरती साख ने और बल दिया। डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर ही बाइडेन की उम्मीदवारी पर दो फाड़ हो गए। इजरायल–फिलीस्तीन युद्ध और रूस–युक्रेन युद्ध में अमेरिका की भूमिका को लेकर बाइडेन से नाराजगी जाहिर होने लगी। चुनाव अभियान के बीच में ही बाइडेन की जगह उनकी उपराष्ट्रपति रहीं कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी ने अपना उम्मीदवार बना दिया। इन सबमें रिपब्लिकन पार्टी और डोनाल्ड ट्रंप को फायदा हुआ और उन्होंने फिर से जीत दर्ज की। एलन मस्क और मार्क जुकरबर्ग

जैसे लोगों का ट्रंप के साथ खड़ा होना भी जो बाइडेन की हार का कारण बना। अपनी ऐतिहासिक जीत को यादगार बनाने के लिए ट्रंप ने कोई कसर नहीं छोड़ी। उनके शपथग्रहण के लिए मेहमानों की सूची से लेकर उनकी घोषणाएं सब पर चर्चा हो रही है। ट्रंप को फिर से राष्ट्रपति बनते देखने के साक्षी लोगों में एलन मस्क, मार्क जुकरबर्ग, जेफ बेजोस, सुंदर पिचाई, टिम कुक जैसे तकनीकी शक्ति से लैस धन कुबेरों के अलावा अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवीयर मिली, इटली की प्रधानमंत्री जियार्जिया मेलोनी, जर्मनी के अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) पार्टी के टीनो श्रुपाला और ब्रिटेन की पॉपुलिस्ट पार्टी–शरिफॉर्म पाटीश के नेता नाइजल फराज का नाम भी शामिल है। ये सूची बताती है कि दक्षिणपंथ और पूंजीवाद को ट्रंप ने खुल कर बिना किसी झिझक के तरजीह दी है। अपने विदाई भाषण में जो बाइडन ने जैसी चेतावनी दी थी कि अमेरिका चंद टेक अरबपतियों के दबदबे वाली ओलिगार्की (अल्पतंत्र) में तब्दील हो सकता है, तो वह चेतावनी ट्रंप के नए कार्यकाल की शुरुआत के साथ ही सच होती दिख रही है। उद्योगपति चुनावों में मदद करते हैं और सत्ताधारियों को दबाव में लेकर अपने मतलब की नीतियां बनवाते हैं, यह तो खुला सच है ही, लेकिन जिस तरह से एलन मस्क ट्रंप के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं, वह लोकतांत्रिक राजनीति में एक नए किस्म का चलन शुरु कर रहा है। हो सकता है आगामी वक्त में भारत में भी ऐसे नजारे देखने मिलें। वैसे ट्रंप के आमंत्रितों में नरेन्द्र मोदी का नाम शामिल न होने पर भी काफी सवाल उठे। माना जा रहा है कि पिछले सितम्बर में अपनी अमेरिका यात्रा में नरेन्द्र मोदी ने ट्रंप से मुलाकात में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई, इस वजह से ट्रंप ने कोई गांठ बांध ली है। हालांकि परस्पर लाभ और लेन–देन के संबंधों में ऐसी गांठें नहीं बनाई जातीं। लेकिन हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप जैसे आयोजनों के बाद नरेन्द्र मोदी को ट्रंप के शपथग्रहण में न बुलाना और वहीं शी जिनपिंग को ट्रंप द्वारा खुद निमंत्रित करना वैश्विक संबंधों में नए समीकरण की तरफ इशारा करता है। शी जिनपिंग इस समारोह में नहीं गए, उनकी जगह उप राष्ट्रपति हान झेंग पहुंचे हैं, वहीं भारत से विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस समारोह के लिए पहुंचे हैं। बहरहाल, डोनाल्ड ट्रंप ने अपने नए कार्यकाल की शुरुआत से पहले बड़ा दावा किया कि वे तीसरा विश्वयुद्ध रोक देंगे। यूक्रेन में युद्धविराम कराएंगे और साथ ही अमेरिका में अवैध अप्रवासियों को बाहर करने के लिए आक्रामक अभियान चलाएंगे। अपने देश की सीमाओं के भीतर ट्रंप क्या फैसले लेते हैं, यह उनका अधिकार है। लेकिन विश्वयुद्ध की आशंकाओं को रोकने का दावा वाकई बड़ा है। क्योंकि अब तक अमेरिका की शह पर ही इजरायल और यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में बने हुए हैं, यह खुला सच है। फिलीस्तीन पर पिछले 15 महीनों से चल रहे इस युद्ध में लाखों बेकसूर मारे गए और गजा तो पूरी तरह से बर्बाद ही हो गया। हमास के खात्मे के नाम पर इजरायल ने जो क्रूरता दिखाई, उसे नरसंहार के अलावा और कुछ नहीं कहा जा सकता। निर्दोष नागरिकों, पत्रकारों, मदद करने वाले संगठन, डाक्टर, नर्सें, शांति कार्यकर्ता सब इस युद्ध की चपेट में आए। अंतरराष्ट्रीय बिरादरी इजरायल पर कोई अंकुश नहीं लगा पाई, लेकिन अब डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालते ही शांति के आसार बनना अच्छी बात है। मगर इस शांति की आड़ में पूंजीवाद कोई और भयानक खेल न शुरु कर दे, इस बारे में वैश्विक बिरादरी को सचेत रहना होगा।

# नो हेल्मेट, नो फ्यूल की पहल डीएम का पेट्रोल पंप संचालकों को दिया शक्त निर्देश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में जनपद–जौनपुर में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता जनपद उत्पन्न करने तथा हेल्मेट न पहनने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश द्वारा ष्नो हेल्मेट, नो फ्यूलष की रणनीति लागू करने हेतु बैठक आहूत की गयी। बैठक में सर्वप्रथम जिलाधिकारी द्वारा जनपद के समस्त पेट्रोल पम्पों के प्रबन्धक ध् मैनेजर को निर्देशित किया गया कि ष्नो हेल्मेट, नो फ्यूलष का अनुसरण करते हुए इस आशय का बैनर लगाया जाये एवं जनमानस को उपरोक्त के सम्बन्ध में ऑडियो वॉयस के माध्यम से जागरूक किया जाये। समस्त पेट्रोल पम्पों पर लगे सी०सी०टी०वी० कैमरे को सक्रिय रखते हुए ष्नो हेल्मेट, नो फ्यूलष का अक्षरशः पालन कराते हुए ही उपभोक्ताओं को फ्यूल उपलब्ध कराया जाये। उक्त के अतिरिक्त जिलाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित अपर पुलिस अधीक्षक, जौनपुर को निर्देशित किया गया कि कलस्टरवार टीम बनाकर नियमानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी द्वारा सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्रचार–प्रसार हेतु जागरूकता का पम्पलेट तैयार कर पेट्रोल पम्पों पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे तथा पेट्रोल पम्प संचालक उस पम्पलेट को उपभोक्ताओं में वितरित करते हुए जागरूक करना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में उपस्थित समस्त पम्पधारकों द्वारा उपरोक्त के सम्बन्ध में अक्षरशः अनुपालन किये जाने का आश्वासन दिया गया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, साई तेजा सीलम, अपर पुलिस अधीक्षक जौनपुर, शतेंद्र कुमार सिंह, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन, रमेश चन्द्र श्रीवास्तव, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन, अशोक श्रीवास्तव, सम्भागीय निरीक्षक, जिला पूर्ति अधिकारी जौनपुर, रूपेश सिंह, सहायक प्रबन्धक रिटेल्स सेल्स जौनपुर, आर०एस०ए०–।। आई० ओ०सी०एल०, समस्त क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, समस्त पूर्ति निरीक्षक जौनपुर एवं समस्त पेट्रोल पम्पों के प्रबन्धक ध् मैनेजर एवं ऑयल कम्पनियों के पदाधिकारी उपस्थित रहें।

# सामंतवाद के विरुद्ध समाजवाद के मजबूत स्तंभ थे पंडित जनेश्वर मिश्र - राकेश मौर्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला समाजवादी पार्टी जौनपुर के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में प्रख्यात समाजवादी चिंतक छोटे लोहिया स्व पंडित जनेश्वर मिश्र जी की पुण्यतिथि नगर के एक लॉन आयोजित हुई। सर्वप्रथम उपस्थित सपाजनों ने पंडित जनेश्वर मिश्र के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात गोष्ठी आयोजित कर उनके संघर्षों और बलिदानों को याद करते हुए उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि समाजवादी विचारधारा के प्रति पंडित जनेश्वर मिश्र की दृढ निष्ठा के कारण वे श्छोटे लोहियाश के नाम से प्रसिद्ध थे। वे कई बार लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहे। उन्होने मोरारजी देसाई, चौधरी चरण सिंह, विश्वनाथ प्रताप सिंह, चन्द्रशेखर, एच डी देवगौड़ा और इंद्रकुमार गुजराल के मंत्रिमण्डलों में काम किया। सात बार केन्द्रीय मंत्री रहने के बाद भी उनके पास न अपनी गाड़ी थी और न ही बंगला। इनके नाम पर लखनऊ में एशिया का सबसे बड़ा सुन्दर पार्क सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव के प्रेरणा से उत्तर प्रदेश के पुर्व युवा मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा निर्माण कराया गया । जिलाध्यक्ष ने आगे कहाकि वो सदैव सामंतवाद के विरुद्ध समाजवाद के मजबूत स्तंभ रहे।गोष्ठी को विधायक तूफानी सरोज, विधायक लकी यादव, पूर्व एमएलसी लल्लन प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री श्रीराम यादव, पूर्व मंत्री राजनरायन बिंद, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव, पूर्व प्रत्याशी संजय सरोज, प्रदेश सचिव हिसामुद्दीन शाह, पूर्व प्रमुख रमापति यादव, आलोक त्रिपाठी जिला उपाध्यक्ष गण श्यामबहादुर पाल, महेंद्र यादव, हीरालाल विश्वकर्मा, राजमूर्ति सरोज, राजेंद्र यादव, इरशाद मंसूरी, जिला सचिव गण दीनानाथ सिंह, कमलेश यादव, राहुल त्रिपाठी, हरिश्चंद्र प्रभाकर, पंकज मिश्र, शैलेश यादव, विधानसभा अध्यक्ष गण वीरेंद्र यादव, सोचनराम विश्वकर्मा, रामू मौर्य, रामजतन यादव, नीरज पहलवान, सूर्यभान यादव राम अकबाल यादव आदि ने संबोधित किया।

गोष्ठी में सुशील श्रीवास्तव, दीपचंद राम, पूर्व प्रमुख जयंती यादव, महावीर यादव, महेंद्र यादव नैपाल, शैलेश यादव सहित सैकड़ों संपजन उपस्थित रहे।

अंत में पूर्व विधायक रामपारस रजक, पूर्व प्रमुख कमला अर्जुन यादव, सुरेन्द्र यादव और कांता निषाद के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रख कर शोक व्यक्त किया गया।गोष्ठी का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

# पुरे उत्तर प्रदेश में जौनपुर मंडल डाक जीवन बीमा में अव्वल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 22 जनवरी।डाक विभाग के जौनपुर मंडल ने कीर्तिमान स्थापित करते हुए डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा का 80 करोड़ से अधिक का बीमित राशि एक दिन में पोलिसी कराया। यह उपलब्धि प्राप्त करने वाला जौनपुर पुरे उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा । विदित हो कि डाक जीवन बीमा, डाक विभाग के द्वारा लोगो के जीवन को सन 1884 से वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर रही है । डाक जीवन बीमा की योजनाओं में संतोष, सुरक्षा, सुविधा, सुमंगल, और युगल सुरक्षा जैसी पॉलिसियां शामिल हैं । इन सभी बीमा की योजनाओं में कम प्रीमियम भुगतान करके अधिक बोनस का फायदा लिया जाता है । डाक जीवन बीमा अन्य सभी बीमा योजनाओं से सर्बाधिक बोनस प्रदान करती है । अधीक्षक डाकघर, जौनपुर मंडल आर.के. चौहान ने बताया कि डाक जीवन बीमा के अंतर्गत 20000/– बीमित राशि से अधिक का बीमा किया जा सकता है । जिसका लाभ ग्रेजुएट और डिप्लोमाधारक भी उठा सकते है । ग्रामीण इलाको में रहने वालो के लिए भी ग्रामीण डाक जीवन बीमा द्वारा 10000/– बीमित राशि से अधिक का बीमा किया जा सकता है । डाक जीवन बीमा का आवेदन नजदीकी डाकघर पहुच कर अथवा ऑनलाइन माध्यम से भी किया जा सकता है । इस उपलब्धि पर अधीक्षक डाकघर ने जौनपुर मंडल के सभी डाककर्मियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमें इस उपलब्धि को एक दिन तक सीमित न रख कर प्रत्येक दिन डाक सेवा जन सेवा की भावना से कार्य निष्पादित करना है एवं डाक विभाग की समस्त जन–कल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुचाना है ।

# गणतंत्र दिवस पर अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल का हर नागरिक को जीवन रक्षक बनाने का संकल्प

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल इस 26 जनवरी को 76वां गणतंत्र दिवस बेहद खास अंदाज में मनाने जा रहा है। हॉस्पिटल ने अपनी अनूठी पहल शमिशन–76श के तहत 76 दिनों में 76 सीपीआर प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने का फैसला किया है। इस अभियान की शुरुआत अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल में बुधवार (22 जनवरी 2025) को प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित राजधानी के मीडिया कर्मियों के लिए सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ की गई, जिसमें बड़ी संख्या में पत्रकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मीडिया कर्मियों को सीपीआर प्रशिक्षण देने से उन्हें न केवल जीवनरक्षा की तकनीक का बेहतर ज्ञान मिला, बल्कि अब वे समाज में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने में और भी अहम भूमिका निभाने के लिए सक्षम होंगे। इस अभियान की शुरुआत अस्पताल के निदेशक (मेडिकल सर्विसेज) डॉ. अजय कुमार के नेतृत्व में हुई। यह प्रशिक्षण आगामी दिनों में शहर के विभिन्न संस्थानों में आयोजित होने वाली कार्यशालाओं की एक कड़ी है। ये सत्र लोगों को आपातकालीन स्थितियों में जान बचाने के लिए तैयार करने की हॉस्पिटल की एक सामाजिक पहल है। सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) की अहमियत गोल्डन आवर के दौरान सबसे अधिक होती है। जब किसी को हार्ट अटैक या कार्डियक अरेस्ट होता है, तो शुरुआती कुछ मिनट बेहद कीमती होते हैं। इसे ही गोल्डन आवर कहा जाता है। इस दौरान यदि सही तरीके से सीपीआर दिया जाए, तो उस व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। सीपीआर से दिल और मस्तिष्क तक ऑक्सीजन युक्त रक्त का प्रवाह बना रहता है, जिससे मरीज की जान बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। डॉ. अजय कुमार ने कहा, ष्आपातकालीन स्थिति में सबसे अहम है सही समय पर सही तकनीक का उपयोग करना। सीपीआर एक ऐसा कौशल है, जिसे हर नागरिक को सीखना चाहिए। यह सिर्फ एक तकनीक नहीं, बल्कि किसी की जिंदगी बचाने का माध्यम है। अपोलोमेडिक्स का यह प्रयास हर व्यक्ति को जीवन रक्षक बनाने का है। अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के एमडी और सीईओ डॉ. मयंक सोमानी ने कहा, ष्गोल्डन आवर वह समय है जब हर एक सेकंड कीमती होता है और तुरंत मदद मिलना बेहद जरूरी होता है। जब दिल अचानक से रुक जाता है, तो उस समय व्यक्ति की स्थिति बहुत गंभीर हो जाती है। इस समय में सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) सबसे प्रभावी और जीवन रक्षक तकनीक साबित होती है। अगर सही तरीके से और सही समय पर सीपीआर दिया जाए, तो किसी की जान बचाई जा सकती है। हमारा यह अभियान शमिशन 76श इसी उद्देश्य से शुरू किया गया है, ताकि हम लोगों को इस तकनीक का सही ज्ञान दे सकें। हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक लोग सीपीआर का प्रशिक्षण लें, ताकि वे आपातकालीन स्थितियों में दूसरों की जिंदगी भी बचा सकें। यह जीवन रक्षा में एक अहम कदम साबित हो सकता है। अपोलोमेडिक्स का यह कदम सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि हर व्यक्ति को आपातकालीन स्थितियों के लिए सक्षम बनाने का एक प्रयास है। यह पहल हर किसी को इस जिम्मेदारी के लिए तैयार करती है कि सही समय पर कदम उठाकर किसी की जिंदगी बचाई जा सके। अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल ने सभी संस्थानों, संगठनों और व्यक्तियों को अपने इस अनूठे अभियान का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया है।

# विधानसभा चुनाव 2027 में अपनी दावेदारी पेश करेगा कोरी समाज

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। अखिल भारतीय कोरी समाज संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री राम सागर भारती (कोरी ) के आदेशअनुसार मध्य प्रदेश ग्राम पंचायत प्राणपुर ग्रामीण क्षेत्र में बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय श्री गंगाराम कोली साथ में महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मिथिलेश कोली के नेतृत्व में सदस्यता अभियान कार्यक्रम संपन्न हुआ। भले ही 2027 के विधानसभा चुनाव अभी दूर हों, लेकिन कोरी समाज ने अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने और चुनावों में प्रभावी भूमिका निभाने की तैयारी शुरू कर दी है। जिसमें देशभर से समाज के लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर सदस्यता अभियान को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक में जिलों से आए प्रतिनिधियों ने संगठन की मजबूती और समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए रास्ते तलाशने पर जोर दिया। बैठक में कोरी समाज के विभिन्न प्रदेशों से आए प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। सभी ने इस बात पर सहमति जताई कि समाज को संगठित करने के लिए सदस्यता अभियान को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राम सागर भारती (कोरी) ने कहा, ष्हमारा उद्देश्य केवल चुनाव लड़ना नहीं है, बल्कि अपने समाज की आवाज को मजबूती से उठाना है। बैठक में जिलास्तर पर संगठन को मजबूत करने की रणनीति बनाई गई। समाज के नेताओं ने कहा कि हर जिले में सदस्यता अभियान चलाया जाएगा और नए सदस्यों को जोड़ा जाएगा। बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में कोरी समाज अपने उम्मीदवार उतारेगा। राम सागर भारती (कोरी) ने कहा कि समाज अब केवल वोट बैंक बनकर नहीं रहेगा, बल्कि अपनी राजनीतिक पहचान बनाएगा। कोरी समाज की यह बैठक आगामी चुनावों के लिए समाज की तैयारी और एकजुटता को दर्शाती है। समाज ने यह संदेश दे दिया है कि 2027 के विधानसभा चुनाव में वह अपनी उपस्थिति दर्ज कराने और राजनीतिक दावेदारी पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अखिल भारतीय कोली समाज संस्थान की मीटिंग में आये हुये सभी सदस्य ग्राम प्राणपुर उपस्थित रहे। गंगा राम, राजू कोली, कन्हैदीलाल आहिरवार, प्रसन्न कोली, राजू भाईसाहब, भरत किशोर , किशन पंडा ,अजय पटेल , श्रीराम आहिरवार, मुकेश कोली, खेमचन्द्र कोली , नरेश पंडा, हरगोविन्द्र कोली, अजय कोली, रोहित वालामिक, विक्रम पाल ,आभिषेक कोली, नीलू कोली, नवल कोली, मनीष पंडा, मौसम कोली, देविन्द्र कोली, दीपक कोली,आयुष् पंडा ,अमन कोली, चन्द्रध्मोहन कोली,अरविन्द्र कोलो, श्रीमती मिथलेश (प्रदेश अध्यक्ष),श्रीमती दायावती कोली–प्राणपुर, श्रीमति कैलाशी बाई कोली प्राणपुर, श्रीमति कृष्णा कोली, इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

# नाबालिग को भगाने वाला आरोपी गिरफ्तार : पुलिस ने पीड़िता को किया बरामद, परिजनों को सौंपा

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

पिहानी में एक नाबालिग लड़की के अपहरण का मामला सामने आया है।पुलिस ने आरोपी बालेश कुमार पुत्र छोटेलाल निवासी ग्राम नगरिया आलमनगर थाना मझिला को गिरफ्तार कर पीड़िता को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। ग्राम रामनगरिया आलमनगर निवासी बालेश नाबालिग लड़की को 19 जनवरी को बहला–फुसलाकर ले गया था। अगले दिन पीड़िता की मां ने नगर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार त्यागी के निर्देशन में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम के उप निरीक्षक उमाशंकर व मानित कुमार ने तमाम स्थानीय लोगों से पूछताछ किया जिसके बाद आरोपी और पीड़िता का पता चला। नगर कोतवाली पुलिस ने लगातार तीन दिनों की जांच के बाद बुधवार को पुलिस ने आरोपी को पिहानी मोड़ से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मुकदमा संख्या 24/813 धारा 137(2), 87 बीएनएस के तहत कार्रवाई की है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

# व्यापारी जोड़ो अभियान फरवरी माह तक निरंतर चलेगा : पवन मनोचा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कैंट परिक्षेत्र युवा व्यापार मंडल ने आज पदाधिकारी जोड़ो अभियान की शुरुवात की सदस्यता ग्रहण व्यापारी जोड़ो अभियान फरवरी माह तक निरंतर चलेगा। लखनऊ व्यापार मंडल के वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा जी के निर्देश पर जोड़ो अभियान की शुरुवात हुई आज आलमबाग में 33 युवा व्यापारियों को सदस्यता ग्रहण कराई गई जिसमे सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे अध्यक्ष डॉक्टर गिरीश कुमार ,वरिष्ठ महामंत्री सचिन चड्ढा ,संरक्षक जितेंद्र कनौजिया , महामंत्री कुश अरोड़ा , महामंत्री सिंह साहब रूबल , महामंत्री रोहित पंजवानी,वरिष्ठ उपाध्यक्ष सचिन मल्होत्रा , उपाध्यक्ष दीपक वेद, संगठन मंत्री राजा अरोड़ा, सयुक्त मंत्री शिवम गुलयानी और सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। कैंट युवा टीम द्वारा 5 नवनियुक्त पदाधिकारियों को इन पदो पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर पियूष नागपाल जी , उपाध्यक्ष समीर कमलिया , उपाध्यक्ष गजेन्द्र उपाध्याय , उपाध्यक्ष गौतम नागपाल और संयुक्त मंत्री मोहित बुद्धराजा को नियुक्ति प्रमाण पत्र देकर जिम्मेदारी दी गई।

# ’बच्चों के पोषण संबंधी कार्यो में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाशत नहीं की जायेगी -जिलाधिकारी’

‘रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’

‘हरदोई’ गत दिवस जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में विवेकानंद सभागार में महिला एवं बाल विकास विभाग की बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं सेवाओं और कार्यक्रमों की गहन समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी सीडीपीओ अपने–अपने आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करें साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उन्हें फील्ड पर निकलकर सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनमानस को दें। उन्होंने कहा कि समाज में जागरूकता लाने सुपोषित व स्वस्थ समाज बनाने एवं शिक्षा की अलख जगाने में महिला एवं बाल विकास विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण है जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि वह जनवरी 2024 से जनवरी 2025 तक सीडीपीओ बार किये गये कार्यों का विवरण उपलब्ध कराएं। समीक्षा बैठक करते हुए जिलाअधिकारी ने आंगनबाड़ी केन्द्रों की आवश्यकता और संसाधनों की भी जानकारी ली उन्होंने कहा कि सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए बर्तन और जरूरी सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए की ब्लॉकवार्ड सीडीपीओ आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशिक्षण दे। जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी से आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका का आधार व मोबाइल सत्यापन का कार्य की भी गहन समीक्षा की तथा निर्देशित किया कि इन कार्यों में तेजी लाये। बच्चों के पोषण संबंधी कार्यों में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी टीम भावना के साथ सभी लोग अपने–अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी के साथ करना सुनिश्चित करें। समीक्षा बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार, अपर जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम ,सभी सीडीपीओ व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# फरवरी तक 156 कार्य कत्रियो की नियुक्ति होने की उम्मीद - अजय त्रिपाठी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। फरवरी माह के अंत तक जिले के 12 विकास खंडो मे 156 पदों पर कार्यत्रियों की चयन प्रक्रिया पूरी होने की संभावना है।यह जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय कुमार त्रिपाठी ने दिया।उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष 156 कार्य कत्रियों के पदों पर चयन हेतु विज्ञापन निकाला गया था।जिसके सापेक्ष ऑनलाइन पोर्टल से 6071 फॉर्म भरे गए। उन्होंने बताया कि इस समय आचार संहिता होने के चलते अब इन पदों पर चयन प्रक्रिया फरवरी माह के अंतिम सप्ताह में तक होने की संभावना है।बताया कि चयन प्रक्रिया के लिए जिला अधिकारी ने एक चयन समिति का गठन किया है।जिसमें मुख्य विकास अधिकारी अध्यक्ष रहेंगे तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी के साथ–साथ प्रत्येक विकास खण्डों के सीडीपीओ के अलावा तीन–तीन जिला स्तरीय अधिकारी रहेंगे।जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया के सदर सहित सभी 12 विकास खण्डो में कुल 2381 आंगनबाड़ी केंद्र हैं।जहां पर 1925 कार्यत्रियों के सापेक्ष 1742 की ही कार्यकत्रियो की नियुक्ति हैं जबकि 1925 सहायक कार्य कत्रियो के सापेक्ष 1559 सहायक कार्य कत्रियो की ही तैनाती है।वही 456 मिनी कार्य कत्रियो के सापेक्ष 426 मिनी कार्य कत्रियो ही तैनाती है।उन्होंने बताया कि जिले मे 183 कार्यकत्रियों, 366 सहायक कार्यत्रियों तथा 30 पद मिनी कार्य कत्रियों के पद रिक्त हैं।जिसमें से पिछले वर्ष 183 मे से 156 कार्यत्रियों के चयन के लिए आवेदन मांगा गया था।जिसके सापेक्ष 6071 फॉर्म ऑनलाइन पोर्टल पर आए।उन्होंने बताया जिले में पहले से 530 विभाग के भवन है और 31 नए भवन और तैयार हो रहे हैं।वही 119 भवन के निर्माण कार्य अभी होने हैं।जबकि 86 निर्माण केंद्र के लिए जिलाधिकारी ने मुख्यालय के लिए भेजा है।वही अयोध्या धाम में 70 नवीन आंगनबाड़ी केंद्रों की की स्वीकृत हो गई है इसके लिए भूमि चयन की प्रक्रिया भी हो गई है।

# शिक्षा के क्षेत्र में प्रतियोगी छात्रों को नहीं लेना होगा निजी कोचिंग संस्थानों का सहारा – अवनीश पांडे

अयोध्या।अब शिक्षा क्षेत्र से जुड़े प्रतियोगिता की तैयारी करने वाले प्रतियोगी छात्रों को महगें निजी कोचिंग संस्थानों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। अब इस क्षेत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे प्रतिभागियों को राजकीय पुस्तकालय में ही अध्ययन करने के लिए पुस्तक रहेगी।क्या बातें मंगलवार को राजकीय पुस्तकालय में वहां पर प्रतियोगी छात्रों को जैकेट व एनसीईआरटी की पुस्तक वितरण कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में आए राजकीय पुस्तकालय के प्रभारी तथा सह जिला विद्यालय निरीक्षक अवनीश कुमार पांडे ने कही।इस मौके पर उन्होंने कहा कि यहां से अध्ययन करने वाले शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न प्रतियोगिता की तैयारी करने वाले प्रतियोगी छात्रों को काफी मदद मिलेगी।उन्होंने बताया कि पहले राजकीय पुस्तकालय में अध्यनरत छात्राओं को कंपटीशन की पुस्तकों का अभाव था जिसको पुस्तकालय प्रभारी एवं सह जिला विद्यालय निरीक्षक के अवनीश कुमार पांडे ने राजकीय पुस्तकालय को कक्षा 6 से 12 तक की सभी एनसीईआरटी की पुस्तक एवं छात्राओं को ठंड से बचने हेतु जैकेट का वितरण किया।इस मौके पर लेखाधिकारी अनुपम कुमार ने 2000 रुपये पुस्तक हेतु पुस्तकालय अध्यक्ष को दिया इसी क्रम में प्रधानाचार्य डॉक्टर रामकृष्ण पांडे जी ने 1000 रुपये प्रधानाचार्य सिटी इंटर कॉलेज, बाराबंकी बीपी सिंह ने 1000 रुपये दिया।पुस्तकालय अध्यक्ष ने अस्वस्थ किया है कि जल्द ही छात्र–छात्राओं की जो भी समस्याएं हैं उनका निराकरण कराया जाएगा।जैसे वाईफाई की सुविधा,शुद्ध जल की व्यवस्था,पुस्तक की व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण समस्याओं का निराकरण होगा।कार्यक्रम का संचालन आलोक तिवारी जिला मंत्री माध्यमिक शिक्षक संघ ने किया जबकि संचालन राम धीरज ग्रामीण विकास सेवा संस्थान द्वारा जैकेट उपलब्ध कराया गया।संस्थान के अध्यक्ष ने बताया कि जल्द ही जो भी आवश्यकता छात्राओं को होगी उसकी पूर्ति की जाएगी।

# प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर हिन्दू महासभा ने अयोध्या छावनी क्षेत्र में विभिन्न प्रशासनिक प्रतिबंधों से श्रद्धालुओं की समस्याओं पर आक्रोश जताया

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार।अखिल भारत हिन्दू महासभा ने अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि पर राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए देश भर में कार्यक्रम आयोजित किए। हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी ने देशवासियों के नाम अपने शुभकामना संदेश में 22 जनवरी को ष हिन्दू स्वाभिमान दिवस ष घोषित किया। राष्ट्रीय मंत्री अधिवक्ता राकेश दत्त मिश्र अयोध्या से जारी बयान में यह जानकारी देते हुए बताया कि शुभकामना संदेश में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि हिन्दू महासभा ने 70 वर्ष तक फैजाबाद जिला न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक मंदिर निर्माण का न्यायिक वाद लड़ा और सर्वोच्च न्यायालय से हिंदुओं के पक्ष में न्यायिक निर्णय प्राप्त करने में सफलता हासिल की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी 2024 को नवनिर्मित मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की, जिसे आज एक वर्ष पूर्ण हो रहा है। पांच शताब्दियों की लंबी प्रतीक्षा और लाखों श्रीराम भक्तों के बलिदान के बाद देश के बहुसंख्यक समाज का सपना पूरा हुआ। देश के बहुसंख्यक समाज ने आत्म गौरव और आत्म स्वाभिमान का अनुभव किया। इसी आधार पर हिन्दू महासभा 22 जनवरी को हिन्दू स्वाभिमान दिवस घोषित कर रही है। अधिवक्ता राकेश दत्त मिश्र ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि पर राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब हिन्दू महासभा श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा और काशी विश्वनाथ मंदिर को भी विधर्मी प्रतीकों से मुक्त करवाकर भव्य मंदिर निर्माण का अभियान चला रही है। उन्होंने दावा किया है कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले ही मथुरा और काशी विश्वनाथ मंदिर में न्यायिक आदेश से भव्य मंदिर निर्माण का कार्य आरंभ हो जाएगा। जारी बयान में अधिवक्ता मिश्र ने अयोध्या के छावनी क्षेत्र में विभिन्न प्रशासनिक प्रतिबंधों के चलते देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अयोध्या छावनी में गुप्तार घाट, पंचमुखी महादेव, पंचमुखी हनुमान जैसे अनेक पौराणिक धार्मिक स्थल है, किंतु छावनी क्षेत्र में अनेक प्रशासनिक प्रतिबंधों के चलते श्रद्धालु वहां तक नहीं पहुंच पाते । यह चिंता का विषय है। अधिवक्ता मिश्र ने कहा कि हिन्दू महासभा अनेक प्रशासनिक प्रतिबंधों का विरोध करती है और मुख्यमंत्री तथा केंद्र सरकार को ज्ञापन देकर प्रतिबंधों को कम करने की मांग करेगी। जरूरत पड़ी तो हिन्दू महासभा आंदोलन भी करेगी।

# राम मंदिर के प्रथम व द्वितीय तल में बनाया जा रहा है म्यूजियम

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या धाम म्यूजियम में होगी 12 दीर्घा पांच ऐसी दीर्घा जो लेटेस्ट टेक्नोलॉजी 3क 7क और एमरशिप टेक्नोलॉजी से सुसज्जित होगी, मार्च तक मंदिर में लगने वाली सभी मूर्तियों को स्थापित किया जाएगा, यात्री सुविधा केंद्र में गोस्वामी तुलसीदास की प्रतिमा स्थापित होगी, म्यूजियम के दीर्घा में हनुमान जी की एमरशिप टेक्नोलॉजी से दिखाई जाएगी भगवान राम से संबंधित उनकी लीला और कृत्य, 500 वर्षों के संघर्ष का इतिहास भी बताएगी दीर्घा, कानूनी रूप से सारे डॉक्यूमेंट रखे जाएंगे दीर्घा में, खुदाई के दौरान मिले तथ्य भी रखे जाएंगे दीर्घा में, राम मंदिर आंदोलन में प्राण न्योछावर करने वाले विभूतियां को अमर रखने के लिए दिखाई जाएगी उनकी गाथा, राम लला का दर्शन करने आने वाले श्रद्धालु राम लला के दर्शन के साथ–साथ म्यूजियम का भी कर सकेंगे अवलोकन, राम मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने जानकारी दी।

# गौतम अदाणी सपरिवार पहुंचे महाकुंभ, बोले – अद्भुत, अद्वितीय, अलौकिक!

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। दुनिया के जानेमाने उद्योगपति गौतम अदाणी मंगलवार को प्रयागराज पहुंचे। महाकुंभ के पुण्य दर्शन के लिए गौतम अदाणी अपने पूरे परिवार के साथ पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी डॉक्टर प्रीति अदाणी, चेयरपर्सन अदाणी फाउंडेशन, उनके बेटे करण अदाणी, बहू परिधि अदाणी और उनकी पोतियां भी थीं। उनके साथ जीत अदाणी भी कुंभ में मौजूद रहे। इस मौके पर गौतम अदाणी ने अपने छोटे बेटे जीत अदाणी के विवाह की तिथि की भी घोषणा की, उन्होंने बताया कि उनके बेटे की शादी 7 फरवरी 2025 को होगी। जब उनसे पत्रकारों ने पूछा कि क्या जीत अदाणी की शादी पर सेलेब्रिटीज का महाकुंभ होगा? इस पर उन्होंने बताया कि यह एक पारिवारिक कार्यक्रम है और इसे परिवार के साथ ही सादगी के साथ संपन्न किया जाएगा।

इस्कॉन में किया प्रसाद ग्रहण, बड़े हनुमान जी के किए दर्शन

गौतम अदाणी सुबह तकरीबन 12:30 बजे इस्कॉन में पहुंचे जहां पर उन्होंने इस्कॉन की रसोई में प्रसाद बनाने में भी हिस्सा लिया। डॉक्टर प्रीति अदाणी ने अपनी बहू परिधि अदाणी के साथ रोटियों पर घी लगाया और मटर छीलीं। उसके बाद उन्होंने प्रसाद वितरण किया और सपरिवार प्रसाद ग्रहण किया।

उसके बाद वह नाव से संगम स्थल पहुंचे जहां उन्होंने स्नान एवं पूजा अर्चना की। संगम दर्शन के बाद वह अभिभूत नजर आए। स्नान एवं पूजा–अर्चना के बाद उन्होंने मीडिया से बीतचीत की। उन्होंने कहा "अद्भुत, अद्वितीय, एवं अलौकिक! प्रयागराज आकर ऐसा लगा मानो पूरी दुनिया की आस्था, सेवाभाव और संस्कृतियां यहीं मां गंगा की गोद में आकर समाहित हो गयी हैं। कुंभ की भव्यता और दिव्यता सजीव बनाए रखने वाले सभी साधु, संत, कल्पवासी एवं श्रद्धालुओं की सेवा में तत्पर शासन–प्रशासन, सफाई कर्मियों और सुरक्षा बलों को मैं हृदय से धन्यवाद देता हूँ। माँ गंगा का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे।"

उन्होंने इस भव्य आयोजन के लिए सीएम योगी एवं पीएम नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने कुंभ प्रशासन एवं पुलिस की भूरि–भूरि प्रशंसा की। गौतम अदाणी इसके बाद गीता प्रेस के पंडाल गए जहां पर उन्होंने आरती संग्रह का वितरण किया। बता दें कि गौतम अदाणी ने गीता प्रेस के साथ मिल कर 1 करोड़ आरती संग्रह वितरित करने और इस्कॉन के साथ मिलकर प्रतिदिन 1 लाख लोगों को खाना खिलाने का संकल्प लिया है।

फैक्ट फाइल

मंगलवार को सुबह गौतम अदाणी पहुंचे प्रयागराज

दोपहर 12.30 की इस्कॉन में ग्रहण किया प्रासा और की प्रसाद सेवा

दोपहर बाद 1.20 वह संगम घाट पहुंचे, जहां से नाव उन्हें लेकर संगम स्थल तक गई

तकरीबन 2 बजे वह बड़े हनुमान मंदिर पहुंचे और विधिवत पूजा–अर्चना की

उसके उपरांत तकरीबन 2.30 पर गीता प्रेस के स्टॉल पर पहुंचे जहां पर गीता प्रेस के आरती संग्रह का वितरण किया। उसके बाद उन्होंने श्री शंकराचार्य मंदिर विमान मंडप के दर्शन करने के उपरांत अहमदाबाद चले गए।

# केनव्यू ने अपने रिहाइड्रेशन पोर्टफोलियो का विस्तार किया - रेडी-टू-ड्रिंक डब्ल्यूएचओ ओआरएस लॉन्च किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केनव्यू ने अपने रेडी–टू–ड्रिंक (आरटीडी) रिहाइड्रेशन पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए ओआरएस लॉन्च किया है, जो डायरिया से होने वाली डिहाइड्रेशन के लिए डब्ल्यूएचओ स्वीकृत फार्मूला है। इस लॉन्च के साथ, केनव्यू अब डायरियल और नॉन–डायरियल डिहाइड्रेशन दोनों को संबोधित करने वाला एक व्यापक हाइड्रेशन पोर्टफोलियो प्रदान करता है। लंबे समय से नॉन–डायरियल डिहाइड्रेशन के लिए समाधान प्रदान करने के बाद, यह नवीनतम लॉन्च केनव्यू की हाइड्रेशन केयर में विरासत को और मजबूत करता है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, डायरिया वैश्विक स्वास्थ्य के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, जिसमें हर साल बच्चों में डायरिया के लगभग 1.7 बिलियन मामले सामने आते हैं। भारत में, डायरिया 5 साल से कम उम्र के बच्चों में मृत्यु का तीसरा प्रमुख कारण बना हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुशंसित ओरल रिहाइड्रेशन साल्ट (ओआरएस ) डायरिया के इलाज में स्वर्ण मानक है, फिर भी इसे पर्याप्त रूप से प्रिस्क्राइब नहीं किया जाता। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण–5 (2019–21) के अनुसार, 5 साल से कम उम्र के बच्चों में ओआरएस का कवरेज बढ़ने के बावजूद अभी भी (60.6:) कम है। रेडी–टू–ड्रिंक ओआरएस मरीजों को एक ऐसा समाधान प्रदान करता है जो डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुशंसित सटीक ऑस्मोलैरिटी सुनिश्चित करता है, इसे रेडी–टू–ड्रिंक फॉर्मेट में आसानी से सेवन किया जा सकता है और डायरिया से लड़ने के लिए रीहाइड्रेशन प्रदान करता है। यह अनुमान लगाया गया है कि केवल ओआरएस के उपयोग से डायरिया से होने वाली 93: मौतों को रोका जा सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि कम ऑस्मोलैरिटी वाले ओआरएस सॉल्यूशन्स अनिर्धारित प्ट थेरेपी को 33: तक कम करने में प्रभावी साबित हुए हैं। जर्नल ऑफ एप्लाइड फार्मास्युटिकल साइंसेज में प्रकाशित केनव्यू के एक अध्ययन, ष्भारत में उपभोक्ताओं के बीच तैयारी की विधि में असमानता के कारण पुनर्गठित पाउडर वाले ओरल रिहाइड्रेशन साल्ट की ऑस्मोलैरिटी में व्यापक भिन्नता ष ने यह खुलासा किया कि पाउडर वाले ओआरएस घोल की तैयारी में पर्याप्त त्रुटियाँ होती हैं, जो उनकी प्रभावशीलता को प्रभावित कर सकती हैं और डायरिया डिहाइड्रेशन के दौरान जोखिम पैदा कर सकती हैं। अध्ययन में पानी की मात्रा मापने में त्रुटियों और स्वाद संबंधी प्राथमिकताओं जैसे सब्जेक्टिव उपायों के कारण ऑस्मोलैलिटी में भिन्नताएँ पाई गईं, जो पाउडर ओआरएस घोल को सही तरीके से तैयार करने में देखभाल करने वालों के सामने आने वाली चुनौतियों को रेखांकित करती है। इसी तरह, भारत के वासिंद के ग्रामीण क्षेत्र में माताओं के बीच ओरल रिहाइड्रेशन थेरेपी के बारे में ज्ञान और अभ्यास पर एक अध्ययन ने ओआरएस पाउडर तैयार करने में देखी गई सामान्य त्रुटियों को उजागर किया। अध्ययन में उल्लेख किया गया कि 122 माताएँ ओआरएस पाउडर को 1 लीटर पानी में घोलने के बारे में जानती थीं, लेकिन केवल 32: माताओं को ओआरएस तैयार करने के सही तरीके की जानकारी थी, फिर भी इनमें से लगभग आधी माताएँ ओआरएस तैयार करने में गलत पद्धति का पालन करती थीं। मनीष आनंदानी, मैनेजिंग डायरेक्टर, केनव्यू इंडिया ने नए लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए कहा, ष्औरसल ो हमारे वैश्विक सेल्फ–केयर पोर्टफोलियो में एक प्राथमिकता वाला ब्रांड है। औरसल ो ने यह अनूठा दृष्टिकोण पेश किया है कि रेडी–टू–ड्रिंक इलेक्ट्रोलाइट्स तीव्र नॉन–डायरिया बीमारियों से तेजी से रिकवरी में एक सहायक के रूप में क्या भूमिका निभा सकते हैं। हम विज्ञान–आधारित नवाचार लाना जारी रखते हैं और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के साथ मिलकर हाइड्रेशन समाधानों के पीछे के विज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए काम करते हैं। नए रेडी–टू–ड्रिंक ओआरएस – डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुमोदित फॉर्मूले का लॉन्च, डायरिया डिहाइड्रेशन से लड़ने और उसका समाधान करने की हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नया डब्ल्यूएचओ ओआरएस, हाइड्रा–एक्टिव टेक्नोलॉजी' के साथ बनाया गया है और 100: सुनिश्चित डब्ल्यूएचओ ऑस्मोलैरिटी ' प्रदान करता है, जो डायरिया से तेजी से रिकवरी में मदद करता है। यह पानी के संदूषण को कम करता, तैयारी में होने वाली त्रुटियों और डब्ल्यूएचओ ओआरएस पाउडर तैयार करते समय उत्पन्न होने वाली अन्य समस्याओं को कम करती है। यह फॉर्मूलेशन देखभाल करने वालों और स्वास्थ्य पेशेवरों को डायरिया डिहाइड्रेशन से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एक विश्वसनीय, स्वच्छ और सुविधाजनक विकल्प प्रदान करता है। यह नया उत्पाद दो स्वादिष्ट एप्पल और ऑरेंज फ्लेवर में उपलब्ध है। प्रशांत शिंदे, बिजनेस यूनिट हेड दृ सेल्फ केयर, केनव्यू ने डब्ल्यूएचओ ओआरएस के परिचय पर बात करते हुए कहा, ष्औरसल ो ने नॉन–डायरिया संबंधी स्थितियों के लिए रेडी–टू–ड्रिंक हाइड्रेशन श्रेणी में अग्रणी भूमिका निभाई है। हमने मरीजों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में डिहाइड्रेशन की भूमिका पर एक मजबूत सम बनाने के लिए स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के साथ मिलकर काम किया है। हम लक्षित हाइड्रेशन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अलग–अलग पेशकशों के साथ अपने पोर्टफोलियो को मजबूत कर रहे हैं। रेडी–टू–ड्रिंक डब्ल्यूएचओ ओआरए के लॉन्च के साथ, हम डायरिया संबंधी डिहाइड्रेशन के नए क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं, जिससे

रेडी–टू–ड्रिंक हाइड्रेशन समाधानों में हमारी स्थिति और मजबूत हुई है।ष

डॉ. सी सुरेश कुमार, कंसल्टेंट पीडियाट्रिशियन आरवीएम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद ने कहा, ष्डायरिया से संबंधित डिहाइड्रेशन के उपचार में डब्ल्यूएचओ ओआरएस एक स्वर्ण मानक है और यह अस्पताल में भर्ती होने और गंभीर डिहाइड्रेशन जैसी जटिलताओं को कम करने में सिद्ध है। हालांकि, ओआरए पाउडर की सही तैयारी की कमी के कारण, मरीज की रिकवरी पर असर पड़ सकता है। फ्रंट पैक पर डब्ल्यूएचओ के साथ रेडी–टू–ड्रिंक ओआरएस फॉर्मूलेशन सटीक ऑस्मोलैरिटी प्रदान करते हैं और रिकवरी में मदद करते हैं।

# मेदांता सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में मिलता दिल का संपूर्ण इलाज, 24 घंटे मौजूद रहती हृदयरोग विशेषज्ञों की टीम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मेदांता सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल हृदय रोगियों के लिए वरदान है। एक वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक टीम सभी हृदय संबंधी आपात स्थितियों के लिए तत्काल देखभाल प्रदान करने के लिए मौके पर मौजूद है। मेदांता सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में कार्डियोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. आर.के. सरन ने बताया कि हृदयाघात( हार्टअटैक) संकुचित कोरोनरी धमनियों में थक्का बनने के कारण होता है। उन्होंने कहा कि तीव्र हृदयाघात के 50: रोगी देरी के कारण अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ देते हैं। ऐसे मामलों में, तत्काल और व्यापक उपचार महत्वपूर्ण है। हर मिनट की देरी मायने रखती है। मेदांता हर समय उपलब्ध हृदय विशेषज्ञों के साथ यह सुविधा प्रदान करता है। जैसे ही कोई मरीज आता है, निदान प्रक्रिया मिनटों में पूरी हो जाती है, जिससे विशेषज्ञ यह निर्धारित कर सकते हैं कि थक्कारोधी दवाएं पर्याप्त हैं या एंजियोप्लास्टी आवश्यक है। उल्लेखनीय रूप से, एंजियोप्लास्टी सेवाएं रात में भी उपलब्ध हैं। पूरी प्रक्रिया में एक घंटे से भी कम समय लगता है, जिससे हृदय को होने वाला नुकसान कम होता है और बचने की दर में सुधार होता है। उन्होंने कहा कि मेदांता अस्पताल विश्व स्तरीय सुविधाओं और उन्नत नैदानिक उपकरणों जैसे कि पीईटी–सीटी, कार्डिएक एमआरआई और सटीक प्रक्रियाओं के लिए एक उन्नत कैथ लैब के साथ व्यापक हृदय देखभाल प्रदान करता है। मरीजों को कोरोनरी धमनी रोग, हृदय वाल्व की समस्याओं और बाल हृदय चिकित्सा (पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी) संबंधी समस्याओं जैसी स्थितियों के लिए अत्याधुनिक उपचार भी उपलब्ध हैं। डॉ. गौरांग मजूमदार, निदेशक कार्डियोवैस्कुलर और थोरेसिक सर्जरी (सीवीटीएस) ने हृदय रोगों में सर्जिकल तकनीकों पर प्रकाश डाला, जिसमें वाल्व प्रतिस्थापन और बाईपास सर्जरी छोटे चीरों के माध्यम से और धड़कते दिल की सर्जरी के माध्यम से की जा सकती है। अपने विचार साझा करते हुए, डॉ. गौरांग मजूमदार ने कहा, ष मेदांता का सीटीवीएस विभाग हृदय संबंधी सर्जरी के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करता है। बीटिंग–हार्ट कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग (ठ।ठळ) नियमित रूप से उत्कृष्ट परिणामों के साथ किया जाता है। माइट्रल, महाधमनी और ट्राइकसपिड वाल्व के लिए वाल्व प्रतिस्थापन सर्जरी भी नियमित रूप से की जाती है। कम इजेक्शन अंश (म्थ) वाले हृदय रोगों के जटिल मामलों में भी बहुत अच्छे परिणाम मिले हैं। इन रोगियों को आमतौर पर हृदय संबंधी सर्जरी के लिए हमारी यूनिट में भेजा जाता है।मरीजों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निवारक देखभाल और समय पर हस्तक्षेप प्रदान करना महत्वपूर्ण है, और यही हम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के निदेशक डॉ. पी.के. गोयल ने बताया कि तीव्र दिल का दौरा पड़ने पर आपातकालीन स्थिति में ब्लॉक हुई धमनियों को खोलना जीवन बचाने के लिए महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि मेदान्ता हॉस्पिटल, लखनऊ में 24X7 विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता के चलते इस कार्य को अत्यंत प्रभावी और सुरक्षित तरीके से अंजाम दिया जाता है। डॉ. गोयल ने यह भी बताया कि दिल से संबंधित जटिल इलाज, जैसे पूरी तरह से बंद धमनियों और लंबे समय से दिल की बीमारी से संबंधित लक्षण (एनजाइना और सांस लेने में कठिनाई) उत्पन्न करने वाली धमनियों का सफलतापूर्वक एंजियोप्लास्टी द्वारा इलाज, अस्पताल की कार्डियोलॉजी टीम द्वारा किया जाता है, जो इस क्षेत्र में देश का सबसे अनुभवी दल है।

# ट्रक की चपेट में आने से दवा लेने जा रही महिला की मौत,चालक घायल

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,22 जनवरी । लाइन बाजार थाना क्षेत्र के पंचहटिया रोड पर सेंट पैट्रिक स्कूल के सामने बुधवार दोपहर ट्रेलर के नीचे आने से मोपेड सवार महिला की मौत हो गई है। महिला अपने घर के किसी व्यक्ति के साथ कहीं दवा लेने जा रही थी कि उसी समय ट्रेलर के नीचे आ गई जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है। जबकि गाड़ी चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल है जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक महिला का नाम सुनीता प्रजापति (40) पत्नी विजय कुमार प्रजापति ग्राम बेडोना थाना बक्सा की बताई जा रही है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दिया है। पुलिस ने मौके से ट्रक को कब्जे में ले लिया है।अन्य विधि कार्रवाई में जुटी हुई है बीते कुछ दिन पहले वहां के रहने वाले लोगों ने अपने एक्स के माध्यम से खराब सड़कों की तस्वीर वायरल कर सड़को पर मौजूद गड्ढे को दिखाया है। एक शिकायतकर्ता ने एक्स पर जेसीज चौराहे से लेकर पंचहटिया तक कि सड़क पुरी तरह गड्ढों में तब्दील होने की शिकायत की भी है। उसने बताया कि पूर्वांचल से प्रयागराज जाने वाले यात्री इसी मार्ग से जाते हैं जो पूरी तरह गडढे में तब्दील है।

# लखनऊ वालों की पहली पसंद बनेगा गोविंदम : राजेश्वर सिंह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोविंदम परिवार द्वारा आज बंगला बाजार में अपने प्रथम नवीनतम प्रतिष्ठान का भव्य उद्घाटन हुआ, जिसमें समाज के सभी वर्गों का समर्थन एवं सहयोग रहा, सभी ने उक्त प्रतिष्ठान की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि ये हम सभी के लिये सर्व सुलभ होगा। जिसमें सभी चीजें साफ

सुथरे एवं क्वालिटी के साथ जनसामान्य को सुलभ होगी। मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक श्री राजेश्वर सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलित करके उद्घाटन किया गया, उन्होंने प्रतिष्ठान के खान पान की तारीफ करते हुए प्रतिष्ठान के प्रति अपनी सद्भावना व्यक्त करते हुए वहां उपस्थित जनसामान्य से भी अपील की वे वहां आए और वहां प्रत्येक चीजों को खाए और अन्य लोगों को भी लेकर आए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से गोविंद परिवार के मैनेजिंग डायरेक्टर साहब यादव क्षेत्रीय पार्षद कौशलेंद्र द्विवेदी जी कमलेश सिंह जी एवं राष्ट्रीय लोकदल नेता अनिल दुबे जी उपस्थित रहे।

# 10 मार्च तक किसानों को मुआवजा नहीं दिया गया, तो 23 मार्च को किसान टोल प्लाजा को बंद करा देंगे : अजीत सिंह

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,22 जनवरी ।किसान नेता अजीत सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर सिटी मजिस्ट्रेट को वाराणसी–आजमगढ़ मार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग 233द28) के निर्माण का है, जो 2012 से लंबित है। तहसील केराकत से 16 किलोमीटर सड़क का निर्माण अभी तक नहीं हो पाया है को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस मामले में पहले हाईकोर्ट प्रयागराज में सुनवाई चल रही थी, अब फाइल जिला मुख्यालय पर आ गई है। 27 नवंबर 2024 को जिला मुख्यालय के सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और जनपद जौनपुर के किसानों की बैठक हुई थी। इस बैठक में किसानों को मुआवजे की प्रस्तावित दर बताई गई, जिस पर किसानों ने सहमति जता दी है। वहीं इस मामले में किसान नेता अजीत सिंह ने कहा कि यह केवल जनपद का ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश का सबसे बड़ा मुद्दा है। उन्होंने बताया कि इस मामले में हजारों किसानों की मौत हो चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर 10 मार्च तक किसानों को मुआवजा नहीं दिया गया, तो 23 मार्च को किसान इस मार्ग पर स्थित टोल प्लाजा को बंद करा देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जहां पंजाब और हरियाणा के किसान अन्न की बिक्री के लिए लड़ रहे हैं, वहीं यहां के किसान अपनी जमीन का उचित मुआवजा मांग रहे हैं।

# महाकुंभ के चलते धीमी हुई मंदिर निर्माण की गति, आठ फरवरी से तेजी आने की उम्मीद

लखनऊ, (संवाददाता)। राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक में सोमवार को नृपेंद्र मिश्र ने निर्माण कार्यों की समीक्षा की। कहा कि महाकुंभ के चलते राम मंदिर निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। महाकुंभ स्नान करने के बाद दो लाख से अधिक श्रद्धालु रामलला का दर्शन करने अयोध्या पहुंच रहे हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा पहली प्राथमिकता है। कहा कि अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के आने से राम मंदिर निर्माण कार्य बाधित हो रहा है। कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य रोक भी दिया गया है। उम्मीद की जा रही है कि आठ फरवरी के बाद राम मंदिर निर्माण में दोबारा गति आएगी। लेकिन, अभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है। बैठक में राम मंदिर के निर्माण कार्यों की प्रगति भी प्रस्तुत की गई। बताया कि राम मंदिर के प्रथम तल का काम पूरा हो चुका है। दूसरे तल का भी 80 फीसदी काम पूरा हो गया है। शिखर का निर्माण तेजी से चल रहा है। शिखर निर्माण में अब तक 18 लेयर डाली जा चुकी है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।